दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 217
मुरादाबाद
(Saturday)
29 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गीता ने सिखाया- अत्याचारियों का अंत भी जरूरी, कर्नाटक के उडुपी में बोले पीएम मोदी

भारत मजबूती से साथ खड़ा है..., PM ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंकाई लोगों के प्रति जताई संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के उन लोगों के प्रति संवेदना जताई है, जिन्होंने चक्रवात दितवाह के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने तत्काल राहत सामग्री भेजी है और संकट की इस घड़ी में देश मजबूती से साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात %दितवाह% के कारण जान गंवाने वाले श्रीलंकाई लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, चक्रवात दितवाह के कारण अपने प्रियजनों को खोने वाले

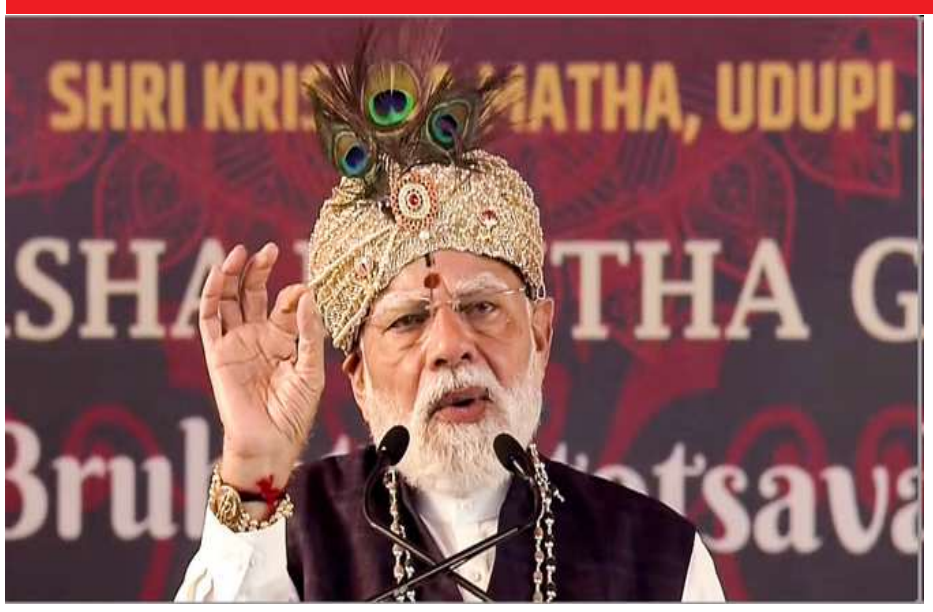

श्रीलंका के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं सभी प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, राहत और जल्दी स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।उन्होंने आगे लिखा, भारत ने अपने सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी के साथ एकजुटता दिखाते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचीडीआर) भेजी है। स्थिति के अनुसार हम और मदद देने के लिए तैयार हैं। पड़ोस पहले नीति और महासागर दृष्टिकोण से प्रेरित होकर भारत इस कठिन समय में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है। श्रीलंका में दितवाह से 56 लोगों की मौत, सैकड़ों घरों को नुकसान- श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवाह के चलते लगातार हो रही भारी बारिश और इसके प्रभाव से पैदा हो रहे भूस्खलन की वजह से हालात काफी बिगड़ चुके हैं। देशभर में अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 600 से ज्यादा घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। बिगड़ते हालात को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी दफ्तरों और स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया। पहाड़ी चाय उत्पादन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही- पिछले सप्ताह से ही श्रीलंका खराब मौसम से जूझ रहा है। हालांकि, गुरुवार को मूसलाधार बारिश ने यहां तबाही मचा दी। तेज बारिश के कारण कई जगह घर, सड़कें और खेत पानी में डूब गए। इसके चलते कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। सरकार के मुताबिक, सबसे ज्यादा तबाही बदुल्ला और नुवारा एलिया के पहाड़ी चाय उत्पादन क्षेत्रों में दिखी, जहां गुरुवार को ही 25 लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार इन दो क्षेत्रों में 21 लोग लापता हैं, जबकि 14 घायल बताए जा रहे हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलनों से कई लोगों की जान गई है। लगातार तेज बारिश से अधिकतर नदियां और जलाशय उफान पर हैं। इसके चलते कई सड़कें बंद हैं। चट्टानें, पेड़ और मिट्टी गिरने से कई रास्ते और रेलवे ट्रैक बंद हो गए। इसी वजह से यात्री ट्रेनों की सेवाएं भी रोक दी गईं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी उडुपी में श्री कृष्ण मठ पहुंचे हैं, जहां वे लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम में करीब एक लाख लोगों ने- जिसमें छात्र, साधु-संत, विद्वान और आम नागरिक शामिल हैं- एक साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एकदिवसीय कर्नाटक दौरे पर पहुंच गए हैं। जहां उडुपी में जगद्गुरु श्री श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने विश्व गीता पर्याय- लक्ष्य कंठ गीता परायण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि% इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %उडुपी आना मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में, उडुपी के लोगों ने हमारे जनसंघ के वी.एस. आचार्य को यहां के नगरपालिका परिषद में जिताया था... आज हम देश भर में जो स्वच्छता अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया थाऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, %हमारे समाज में मंत्रों, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है पर जब एक लाख कंठ एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं... तो ऐसी ऊर्जा निकलती है जो हमारे मन, मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, नई शक्ति देती है... यही ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है, यही ऊर्जा सामाजिक एकता की शक्ति है इसलिए आज लक्ष कंठ गीता का ये अवसर एक विशाल ऊर्जा पिंड को अनुभव करने का अवसर बन गया है।%सबका साथ, सबका विकास% की नीति भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों से प्रेरित- पीएम पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, %यहां आने से तीन दिन पहले मैं अयोध्या में था। 25 नवंबर को विवाह पंचमी के पावन दिन अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना हुई है... राम मंदिर आंदोलन में उडुपी की भूमिका कितनी बड़ी है सारा देश इसे जानता है। उन्होंने कहा, आज हमारी सबका साथ, सबका विकास, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीतियां भगवान श्री कृष्ण के इन श्लोकों से प्रेरित हैं। भगवान श्री कृष्ण हमें गरीबों की मदद करने का मंत्र देते हैं और इसी मंत्र की प्रेरणा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का आधार बनती है... भगवान श्री कृष्ण हमें महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का ज्ञान सिखाते हैं और इन्हीं की प्रेरणा से देश नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक फैसला लेता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, श्री कृष्ण ने युद्ध की भूमि पर गीता का संदेश दिया था और भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी जरूरी है... हम लाल किले की प्राचीर से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश देते हैं और उसी प्राचीर से हम मिशन सुदर्शन चक्र का भी उद्घोष करते हैं... देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा है... हम शांति स्थापित करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं।अपने इस दौरे के दौरान पीएम मोदी ने %सुवर्ण तीर्थ मंतप% का उद्घाटन किया, जो भगवान कृष्ण के गर्भगृह के सामने बनाया गया है। इसके अलावा उन्होंने कनक कवच भी समर्पित किया। यह कनाकाना किंदी पर स्वर्ण आवरण है, जहां से भक्त और संत कनकदास ने पहली बार भगवान कृष्ण के दर्शन किए थे। श्री कृष्ण मठ की स्थापना करीब 800 साल पहले श्री मध्वाचार्य ने की थी, जो द्वैत वेदांत दर्शन के संस्थापक थे।

संक्षिप्त समाचार

कैदी वाहन में नहीं बैठे आजम खां, जेल गेट पर अफरा-तफरी, कहा- बोलेरो उपलब्ध कराओ...कोर्ट में होना है पेश

अमर सिंह टिप्पणी मामले में पेशी के लिए जेल से बाहर लाए गए सपा नेता आजम खां ने बड़े कैदी वाहन में बैठने से इनकार कर दिया। इसके बाद वह जेल के अंदर चले गए। पुलिस और जेल प्रशासन उन्हें मनाने में लगा हुआ है। पूर्व सांसद अमर सिंह के परिवार पर विवादित टिप्पणी मामले में शुक्रवार को सपा नेता आजम खां की कोर्ट में पेशी थी। इससे पहले ही जेल गेट पर अचानक अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। जेल प्रशासन ने दोपहर बाद आजम को कोर्ट पहुंचाने के लिए बड़ा कैदी वाहन लगाया था।बाहर आते ही इसे देख आजम खां ने उसमें बैठने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक कैदी हैं और इस वाहन में नहीं जाएंगे। उन्होंने अपने लिए बोलेरो जैसे छोटे वाहन की मांग की। वैन में बैठने से मना करते ही वह वापस जेल के अंदर लौट गए।उनकी जिद के बाद पुलिस और जेल अधिकारी उन्हें मनाने में जुटे रहे। जेल प्रशासन ने अब उनके लिए छोटा वाहन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुछ ही देर में आजम खां को अमर सिंह टिप्पणी मामले में पेशी के लिए रामपुर कोर्ट ले जाया जाएगा। कोर्ट ने इस केस में आजम खां को स्वयं उपस्थित होने का आदेश दिया है।

शिवपाल यादव बोले-एक महीने में SIR पूरा नहीं हो सकता, ग्रामीण अंचल में तो कुछ लोगों को पता ही नहीं

शिवपाल यादव ने कहा कि SIR प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक महीना काफी नहीं है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां लोगों को इसकी जानकारी भी कम है। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा, आधार कार्ड को मान लिया जाता तो जनता को बहुत सुविधा होती। 12 विकल्प दिए गए हैं, इससे मेहनत बढ़ेगी। समय और मिलना चाहिए। एक महीने में पूरा(स्ट्रक्र) नहीं हो सकता है, ग्रामीण अंचल में तो कुछ लोगों को पता ही नहीं है। अभी शादी-विवाह भी चल रहे हैं तो समय और मिलना चाहिए।

दिल्ली की जहरीली हवा को लेकर मोदी सरकार पर बरसे राहुल गांधी, पीएम की चुप्पी पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में हवा की खराब गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम मोदी की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या पर सरकार और विपक्ष के बीच बयानबाजी जारी है, लेकिन आम लोग पहले से ज्यादा परेशान हैं।राष्ट्रीय राजधानी में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर तीखा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में हवा इतनी खराब हो चुकी है कि यह अब स्वास्थ्य संकट बन गई है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद में तुरंत विस्तृत चर्चा की मांग करते हुए कहा कि सरकार को सख्त और लागू होने वाला एक्शन प्लान लाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बच्चे और बुजुर्ग

जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, तब सरकार चुप क्यों है और कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा।कुछ महिलाओं से मिले राहुल, साझा किया वीडियो- राहुल गांधी ने कुछ माताओं से अपने घर पर मुलाकात की और उनकी चिंता को एक वीडियो के जरिए साझा किया। उन्होंने कहा, %हर मां यही कहती है, उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस ले रहा है। वे थक चुकी हैं, डरी हुई हैं और नाराज हैं। बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं- राहुल गांधी- उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा, मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना या कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती?% राहुल गांधी ने कहा कि भारत के बच्चों को साफ हवा चाहिए, बहाने नहीं। दिल्ली की हवा की स्थिति- पिछले 15 दिनों से दिल्ली की हवा बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार आने वाले हफ्ते में भी राहत मिलने की उम्मीद कम है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चेतावनी- डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अस्थमा मरीज, दिल के मरीज, धूम्रपान करने वाले, बच्चे और बुजुर्ग खास तौर पर सावधान रहें, क्योंकि प्रदूषित हवा फेफड़ों की क्षमता कम करती है, सूजन पैदा करती है और पुरानी बीमारियों को बढ़ा सकती है। डॉक्टरों के अनुसार, अब नियमित स्वास्थ्य जांच और सांस से जुड़ी बीमारियों की स्क्रीनिंग जरूरी होती जा रही है।

भीषण हादसाः खनिज लदा था डंपर, परिवार पर कहर बनकर बरसी मौत, बच्ची समेत सात की मौत, कार का हुआ कचूमर

सहारनपुर जनपद के सैय्यद माजरा का परिवार किसी काम से बाहर निकला था लेकिन शहर पार भी नहीं हुआ कि खनिज से भरा डंपर काल बनकर बरस पड़ा। एक ही झटके में सात जिंदगियां खत्म हो गईं।दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सहारनपुर के सैय्यद माजरा गांव का रहने वाला एक परिवार कार से कहीं जा रहा था। जैसे ही कार गांव की सीमा पार करके एक्सप्रेसवे पर पहुंची, उसी समय देहरादून की दिशा से तेज रफ्तार

में खनिज से भरा एक डंपर आ रहा था। जो अनियंत्रित होकर कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार को अचानक सामने देखकर डंपर चालक ने ब्रेक लगाए, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया। नियंत्रण खोने पर डंपर सीधे कार के ऊपर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह डंपर के नीचे दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।स्थानीय लोगों के अनुसार, कार में मौजूद सात लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कड़ी मशक्कत के बाद निकलवाया। जेसीबी की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को डंपर के नीचे से निकलवाया गया।कांग्रेस सांसद इमरान मसूद भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं।इनकी हुई मौत संदीप(35) पुत्र महेंद्र रानी पत्नी महेंद्र रानी की बेटी एक अज्ञात उम्र 45 विपिन, संदीप की मौसी का लड़का दौलतपुर, चिलकाना उमेश सिंह 52 (मेहदुदपुर रावली हरिद्वार) समधी महेन्द्र सिंह का कार में सवार परिवार कहां जा रहा था। इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात रोककर बचाव कार्य चलाया गया। फिलहाल पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है और हादसे की जांच जारी है। वहीं मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और जाम लगा दिया।

संपादकीय Editorial

We have to go through Tapovan.

The atmosphere changes, it boils down because this is the winter session, and we have to go through Tapovan. The entire government has to come down from Shimla, so the Tapovan session is a trial. Dates and methods change simultaneously, and the prospects of cold change during the hot afternoon. Call it waste or unnecessary expenditure, but if nearly 750 questions become the voice of a session, it's a good start. This time the session is longer than before, but if it becomes comprehensive, then the issues will not be able to burden the state. The third year of the Congress government is clearly being resonated in the session, and the purpose of the opposition's preparation will also be heard. Therefore, there will be noise outside the House as well, when elderly pensioners demand their rights, farmers express their anger, or some employees want to speak to the government. In the role of the opposition, with a long list of questions and political anger in their eyes, the BJP has adapted its performance to the session's format. Clearly, some snow should melt in Tapovan, and the air of Himachal, far from Shimla, should be available. The question is how much Himachal is connected to Shimla, and how is Himachal connected to Shimla? Virbhadra Singh initiated this investigation, and this signature is evident in the atmosphere of the Tapovan complex. Virbhadra Singh brought several convoys from Shimla, and the winter stay there added the winter session of the Assembly to the list of mandatory events. Current Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu has also sailed many seas, so the session's boat will feature the government's own travelogue. Truly, Tapovan is a zenith, a time of testimonies. Those who have reached here from Shimla, or the loud slogan of "Tourism Capital" as opposed to the capital, suggest that somewhere in the flame of systemic change, a sun will rise, or the tragedy in the lap of the Dhauladhars will be mentioned, which has kept the wounds of the rainy season fresh. The files are too long, your tongue has used scissors. Some questions are natural and concern the entire state. Why hasn't the announced amount of rain relief, a total of fifteen hundred crores, arrived? Every master had many spells, but our eyes doubted ourselves every time. We wonder why government buses lead us astray. We wonder when bushes grow on the land proposed for the Central University in Dharamshala. We wonder when land is taken away from the trust for the International Convention Center or Unity Mall. We wonder when social media discusses the character of an MLA. We doubt the stones that became graves after the foundation stone was laid, or the buildings remained empty, efforts were wasted. Now we doubt the soil from our homes and the sand from the village ravines, wondering if we have all become smugglers of the state. Every transfer gives reason to doubt when officers or bureaucrats continue to receive salaries from government funds after retirement. Those who took loans from the Kangra Cooperative Bank become heroes when they become victims of crores of rupees under the guise of assets. The opposition speaks a lot, but when they don't speak out on every issue, we suspect it. Surprisingly, even after a change of MLAs, we doubt every political party. Anyway, whose word should we trust regarding the Panchayat elections? Will Tapovan be able to convince us that our vote trumps all others? Will Tapovan be able to explain why the law bled in Una? Many genuine questions will arise outside of Tapovan, but will Himachalis be able to survive every upheaval within the House?

The threat from Pakistan has increased, and we must be wary of General Munir, who is gaining strength at the behest of the US and China.

Munir may be trying to strengthen his position by pandering to Trump, but his position depends solely on Chinese benevolence. When Pakistan is supported by powers like China and the US, it becomes even more difficult to isolate it on global platforms. Pakistanis will claim victory even after suffering defeats in every confrontation, just as Ayub Khan did after the 1965 defeat, Yahya Khan after the 1971 defeat, and Musharraf after Kargil. After realizing the reality, the public ousted Ayub and Yahya, but Musharraf was saved by the 9/11 attacks. Perhaps this is why Munir has amended the constitution and made himself autocratic. Munir's position depends on China's mercy. Threat increases due to US-China support. Munir becomes autocratic due to constitutional amendment. US President Donald Trump condemned the suicide bombing in Islamabad on November 11th as a terrorist attack, but a day earlier, he expressed condolences for the suicide jihadist bombing near the Red Fort in Delhi, calling it a mere explosion. The blast in Delhi was linked to Pakistan's banned jihadist organization, Jaish-e-Mohammed. It is hard to believe that this is the same Trump who wrote in 2018, "Over the past 15 years, America foolishly provided Pakistan with $33 billion in aid, receiving nothing in return but lies and deceit." Meanwhile, during Operation Sindoor, Pakistan's Army Chief General Munir, who knows what instilled in him, changed Trump's tone. Now he has become his favorite. He was so beloved that, defying all conventions, he was hosted at the White House, praised as a "great leader," and met three times in three months. Who wouldn't be proud to hear such an epithet "great" from the leader of the world's most powerful nation? Encouraged, Munir was promoted from Army Chief to Field Marshal. Even though India and the world demanded proof of its decision to teach Pakistan a lesson, General Munir had to show neither the Pakistani public nor the world. Meanwhile, Trump repeatedly maintained that he had stopped the war by threatening tariffs. Even after India's refusal, he remained unmoved. Furthermore, the US-China Economic and Security Review Commission (US-China Economic and Security Review) offered double standards in its report. The report, submitted to the US Congress, stated that China had launched a "propaganda campaign" using fake internet media accounts and AI images to portray its J-35 fighter jets as superior to the French Rafale jets. On the other hand, it was said that Pakistan had the upper hand in the battle because China was using the conflict to test and promote its weapons capabilities. This was enough for Shahbaz Sharif, the Prime Minister of Pakistan's puppet government. During an event in occupied Kashmir, he claimed that the report presented to the US Congress certifies Pakistan's victory. India's main opposition party, the Congress, is demanding a rebuttal of this report, but the Indian government is silent, as relations between India and the US are currently going through a delicate phase. Trump, who has impressed Munir with his family deal in cryptocurrency trading and proposals for rare minerals, oil, and a port in the Arabian Sea, has reduced tariffs with Pakistan, but India's autonomy, self-respect, and national interests are still hindering his aspirations for India. India needs to seriously consider and strategize on all aspects of its trade interests, which Trump is ignoring due to his purely transactional policy. Such as the impact of climate change, the trade and diplomatic interests of developing countries, the restoration of a normative global order, and regional security in the Indo-Pacific. Therefore, PM Modi, despite Trump's displeasure with the G-20, made the right decision by attending the Johannesburg summit. India cannot ignore the centralization of power and the changing nature of jihadist violence in Pakistan at this time. Following the attempted assassination attempt on his life, General Pervez Musharraf ordered raids on two madrasas near Islamabad's Red Mosque and acknowledged that the madrasas had become factories of jihadist terrorism. He also attempted to reform them, but was unsuccessful. Jihadi terrorist organizations, including the Taliban, Tehreek-e-Taliban Pakistan, Jaish-e-Mohammed, and Lashkar-e-Taiba, all owe their origins to madrasas. There are dozens of such madrasas in Pakistan where jihadist terrorist training is imparted. Pakistan's financial crisis has increased its dependence on foreign debt, and lending agencies have begun demanding an end to jihadist terrorist funding. Therefore, jihadist networks have now begun to influence school and college students and professionals. The gang of doctors who carried out the Chandni Chowk bombing was part of this strategy. This jihadist strategy poses new challenges for India's security and investigative agencies. The first challenge is to prevent India's thousands of madrasas from becoming breeding grounds for jihadist mentality. This task will not be easy due to political factionalism. Preventing this from happening in mainstream educational and non-educational institutions like Al Falah will be even more difficult. The second challenge is to catch jihadist infiltrators in a timely manner and inflict increasingly severe blows on their sponsors. India has announced this policy through Operation Sindoor, but will it be possible to implement it? Even if it is implemented, will the jihadists and Will their sponsors back down? Jihadi organizations like Al Qaeda, ISIS, Hezbollah, and Hamas, and their leaders, are on the verge of extinction, but where are the leaders? Pakistan and its jihadists share the same mindset. Munir may be trying to strengthen his position by pandering to Trump, but his position depends solely on Chinese benevolence. When Pakistan is supported by powers like China and the United States, it is even more difficult to isolate it on global platforms. Pakistanis, even after suffering defeats in every conflict, will claim victory, just as Ayub Khan did after the 1965 defeat, Yahya Khan after the 1971 defeat, and Musharraf after Kargil. After realizing the reality, the public ousted Ayub and Yahya, but Musharraf was saved by the 9/11 attacks. Perhaps this is what led Munir to amend the constitution and establish himself as autocratic.

Vote percentages are subject to arbitrary interpretations, and Grand Alliance parties are analyzing them from their own perspectives.

This time, a record 66.91 percent voter turnout was recorded. Data shows that the increased turnout went entirely in favor of the NDA. This means that a large section of the population voted with the determination to bring the NDA back to power with full force. The opposition alliance should consider why such a large number of voters turned against it. Indeed, the arithmetic of the election results is frightening for the RJD, Congress, and Left parties, both in the present and future. In a system based on majority victory, whether any one alliance component has more or less votes is irrelevant. What matters is the total number of votes the alliance receives. RJD has the highest vote share, but LJP(R) benefits from the alliance's low seats. NDA receives voter support. The BJP-led NDA and RJD-led Grand Alliance are analyzing the Bihar Assembly election results from their own perspectives. RJD leaders are raising doubts about why it received the highest vote share, yet why did it win so few seats? Congress also claims it received more votes than the LJP (R), yet why did it win fewer seats? Taking advantage of this, the Grand Alliance parties are questioning the fairness of the elections. It's clear that if opposition parties are defeated in the upcoming assembly elections, they will raise similar arguments and question the entire election process, the Election Commission, voter turnout, and vote counting. Therefore, it's essential to analyze all the facts related to this aspect. It's true that the RJD received the highest vote share of 23 percent in Bihar, yet won only 25 seats. Meanwhile, the BJP won 89 seats with 20.08 percent of the vote, and the JDU won 85 seats with 19.25 percent of the vote. Within the NDA, Chirag Paswan's LJP (R) won 19 seats with 4.97 percent of the vote, while the Congress, despite receiving 8.71 percent of the vote, won only six seats. At first glance, those who don't understand Indian elections and arithmetic will call this injustice, and they are. Keep in mind that in the 2020 assembly elections, the BJP received 19.46 percent of the vote, and the JDU 15.39 percent. At that time, the BJP was reduced to 74 seats, and the JDU 43. The LJP (R) won only one seat despite receiving 5.66 percent of the vote. This time in Bihar, the BJP and JDU contested 101 seats each, while the RJD contested 143. The RJD contested 42 more seats, thus garnering more votes. Despite receiving a higher vote share, the LJP (R) failed to win last time because it contested alone. This time, it was part of the NDA, and therefore, won more seats with a lower vote share. The Congress, which received 9.48 percent of the vote in 2020, declined this time. This happened because Congress contested 70 seats in 2020, compared to 61 this time. Asaduddin Owaisi's AIMIM and BSP were nearly equal in vote share, but AIMIM won five seats, while BSP won only one. Compared to 2020, RJD's vote share decreased by 0.11 percent, while BJP's increased by 1.34 percent and JDU's by 3.86 percent. This becomes even clearer from the 2015 Bihar Assembly elections. At that time, RJD won 80 seats with only 18.4 percent of the vote, while BJP, despite winning 24.4 percent, was reduced to 53 seats. This time, the vote share of all the Grand Alliance parties has declined. CPI(ML)'s vote share fell from 3.16 percent to 2.84 percent. As for the LJP (R), it fielded candidates in 137 seats in 2020, resulting in a higher vote share. Clearly, a higher vote share doesn't necessarily mean a higher number of seats. This time, the RJD received an average of 80,742 votes per seat, while the BJP received an average of 99,813 votes, the JDU 95,714, and the LJP 89,191. This shows how much lower the RJD received. The RJD's vote share was 39.6 percent of the total seats contested, compared to the BJP's 48.3 percent, the JDU 46.3 percent, and the LJP 43.1 percent. Thus, the BJP's vote share in the seats it contested was 8.7 percent higher than the RJD's, 6.5 percent higher than the JDU's, and 3.5 percent higher than the LJP's, representing a difference of 9.3 percent. Contesting 31 seats against the LJP, HAM, and RLSP, the RJD won only 11 and lost 20. In the lost seats, the RJD's average vote share was 37.8 percent, while the winning parties' was 46.6 percent. The average margin of defeat was 8.9 percent. Thus, the Grand Alliance lagged far behind the NDA in terms of average votes per seat. This proves that a large segment of voters were determined not to allow the Grand Alliance, including the RJD and Congress, to come to power under any circumstances. The NDA's nearly 47 percent vote share is nearly nine percent more than the opposition Grand Alliance. This time, a record 66.91 percent voter turnout was recorded. Data shows that the increased vote share went entirely in the NDA's favor. This means that a large segment of the population voted with the determination to bring the NDA back to power with full force. The opposition alliance should consider why such a large number of voters turned against it. In fact, the mathematics of the election results are frightening for the RJD, Congress, and the Left parties, both now and in the future. In any case, the number of votes of any one coalition member is irrelevant in a majority-based system. What matters is the total number of votes the coalition receives.

परिक्षेत्र स्तरीय संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के अंतर्गत बुनकरों ने कलेक्ट्रेट सभागार में लगाई प्रदर्शनी

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति ने राज्य स्तरीय चयन के लिए मुरादाबाद, बिजनौर और रामपुर के वस्त्र सैम्पल का किया चयन। परिक्षेत्र स्तरीय संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के अंतर्गत बुनकरों ने कलैक्ट्रेट सभागार में प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में हथकरघा बुनकरों द्वारा तैयार 30 हथकरघा सैम्पलों का प्रदर्शन किया गया।

संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के लिए मुरादाबाद परिक्षेत्र स्तर पर सैम्पलों का चयन जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया।

प्रथम स्थान श्रीमती नाजरा खातून पत्नी मौ. फारूख, निवासी मौहल्ला मनिहारन भोजपुर जनपद मुरादाबाद, द्वितीय स्थान श्रीमती खुशमुदा पत्नी जलालुद्दीन निवासी शिवालाकलां जनपद बिजनौर एवं तृतीय स्थान श्रीमती गुल्शन बेगम पत्नी मौहम्मद इरफान निवासी टाण्डा जनपद रामपुर का रहा।

सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग श्री अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि परिक्षेत्र स्तर पर चयनित इन सैम्पलों को राज्य स्तरीय पुरस्कार में प्रतिभाग करने हेतु हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय उ. प्र. कानपुर को भेजे जायेंगे।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त उद्योग मुरादाबाद, परियोजना अधिकारी राज्य हथकरघा निगम मुरादाबाद, उपनिदेशक बुनकर सेवा केंद्र मेरठ के प्रतिनिधि एवं वस्त्रोद्योग परिक्षेत्र मुरादाबाद आदि उपस्थित रहें।

मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने मुरादाबाद स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में टीटीएल के सहयोग से नवनिर्मित कौशलम केंद्र में मशीनों एवं उपकरणों द्वारा प्रदान किया जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय मौजूद प्रधानाचार्य श्री संजीव कुमार जैन और श्री अमर कौशल ने बताया कि वर्तमान में टीटीएल के सहयोग से संचालित इस केंद्र में तीन आधुनिक व्यवसाय एडवांस सीएनसी, रोबोटिक्स एवं मैकेनिक मोटर व्हीकल में कुशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रथम सत्र के दौरान उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को टीटीएल द्वारा सेवायोजित किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संस्थान में संचालित समस्त व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे अनुदेशकों से प्रशिक्षण संबंधी प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोगों से उनके व्यवसायों के बारे में भी फीडबैक प्राप्त किया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में पूर्वदशम् (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत कक्षा 11-12 के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग योजना के अन्तर्गत मास्टर डाटा तैयार करने, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा छात्रों की संख्या की प्रमाणिकता, छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन तथा छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन किए गये आवेदन पत्रों को प्राप्त करने के उपरान्त अग्रसारित या निरस्त करने हेतु संशोधित तिथियां निर्धारित की गयी है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटा बेस में सम्मिलित होने के लिए आवेदन कराने की कार्यवाही किया जाना, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थाएं) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनाएं भरकर/अपलोड करके प्रमाणित करने की तिथि 01 दिसम्बर 2025 है।

पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर (कक्षा 9-12) दोनों के छात्र/छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन व अन्य प्रक्रिया, छात्रों द्वारा रजिस्टेऊशन/ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 06 दिसम्बर 2025 है तथा छात्र/छात्रा द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र/छात्रा के समस्त विवरण का विद्यालय द्वारा मिलान किया जाना एवं ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की तिथि 13 दिसम्बर 2025 है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा से सरेआम छेड़खानी, आरोपी पर 50 हजार का इनाम घोषित, वीडियो से उजागर हुई थी इब्राहिम की करतूत

मुरादाबाद में 43 वर्ष के इब्राहिम ने आठवीं छात्रा से सरेआम छेड़खानी कर दी थी। उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी नहीं होने पर उसके ऊपर इनाम घोषित कर दिया गया है।।मुगलपुरा थानाक्षेत्र के लालबाग

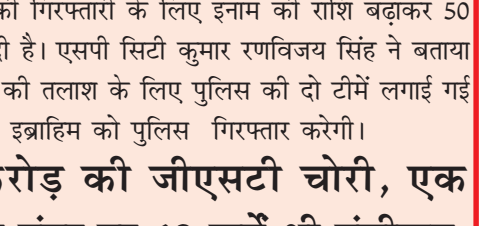

इलाके की रहने वाली 13 वर्षीय छात्रा आठ नवंबर को दुकान से सामान खरीदने के लिए घर से निकली थी। किशोरी गली से होकर गुजर रही थी। इस बीच मोहल्ला गड्ढा नवाबपुरा निवासी फर्मकर्मी इब्राहिम सामने से साइकिल लेकर आ गया।आरोपी ने किशोरी को अकेला देखकर साइकिल को इस तरह खड़ा किया कि किशोरी साइकिल और दीवार के बीच फंस गई। इसके बाद आरोपी ने किशोरी के साथ छेड़खानी की। किशोरी ने विरोध करते हुए शोर मचा शुरू कर दिया। इसके बाद आसपास के लोगों को आता देख आरोपी भाग निकला।

किशोरी के पिता ने पुलिस से शिकायत की लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। कुछ दिनों बाद सीसीटीवी फुटेज वायरल होने पर मुगलपुरा पुलिस ने 14 नवंबर को आरोपी इब्राहिम के खिलाफ छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की। 16 नवंबर को एसएसपी सतपाल अंतिल ने आरोपी इब्राहिम की गिरफ्तारी करने के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। फिर भी आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आया। इस मामले में डीआईजी मुनिराज जी ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार कर दी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही इब्राहिम को पुलिस गिरफ्तार करेगी।

आठ करोड़ की जीएसटी चोरी, एक मोबाइल नंबर पर 12 फर्में थी पंजीकृत, लकड़ी लदे ट्रक पकड़े जाने के बाद खुलासा

राज्य कर विभाग ने लकड़ी से भरा ट्रक पकड़कर जांच की तो पता चला कि फर्म मालिक ने एक ही मोबाइल नंबर से 12 फर्जी फर्में बनाकर जीएसटी चोरी की। जांच में फर्म अस्तित्वहीन पाई गई। मामले में तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है।राज्य कर के मोबाइल दस्ते ने देहरी खुर्रम उमरी कला में चेकिंग के दौरान लकड़ी से लदा एक ट्रक पकड़ लिया। जांच से पता चला कि कारोबारी ने एक मोबाइल नंबर से 12 फर्में पंजीकृत कराई हैं। इस मामले में राज्य कर अधिकारी ने सिविल लाइंस थाने में फर्म मालिक सहित तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है।राज्य कर अधिकारी सुनील कुमार डागर 14 नवंबर की रात डेढ़ बजे देहरी खुर्रम उमरी कला में अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस बीच लकड़ी से लदे ट्रक को टीम ने रोक लिया। टीम ने सबदलपुर रेहरा जिला बिजनौर निवासी चालक फरमान से पूछताछ की।चालक ने बताया कि ट्रक पर लदी लकड़ी ठाकुरद्वारा के जारा ट्रेडर्स की है। लकड़ी सहारनपुर यमुनानगर स्थित लकी टिंबर के लिए भेजी जा रही है। इस मामले में कागजात देखने पर पता चला कि आपूर्तिकर्ता ने टैक्स इन्वाइस संख्या-179 13 नवंबर को जारी किया है। ई-वे बिल के अनुसार माल की मात्रा 48200 किलोग्राम है। इस माल पर कर योग्य कीमत 3.12 लाख होगी। फर्म के मालिक एतेहशाम अहमद से चालक ने फोन पर बातचीत की। दूसरे दिन जांच करने पर पता चला कि मोबाइल नंबर 99-65-21 पर कुल 12 फर्में पंजीकृत कराई गई हैं। इस फर्म की जांच सहायक आयुक्त राज्य कर, खंड-2 सीतापुर ने जांच की। जांच में फर्म अस्तित्वहीन पाई गई है। इस मामले में सहायक आयुक्त राज्य कर खंड-2 सीतापुर ने सीजीएसटी से पंजीयन निरस्त करने का अनुरोध किया है। इस मामले में एहतेशाम की जालसाजी पकड़ी गई। इस बारे में राज्य कर अधिकारी का कहना है कि मास्टर माइंड एहतेशाम ने 12 फर्मों के माध्यम से लकड़ी प्रांत के बाहर आपूर्ति की है। बोगस फर्मों के माध्यम से जीएसटी चोरी कर सरकार को चूना लगाया है।

रंग, कत्था और धोखाधड़ी..: सफेद अंडों की काली कहानी उजागर, देसी बनाकर ऊंची दरों पर बेचा जा रहा, ऐसे हुआ खुलासा

गोदाम में मौजूद कर्मचारियों ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को बताया कि पहले चाय की पत्ती गरम करने के बाद उसमें सफेद अंडे डूबाकर निकाल लिए जाते हैं। इसके बाद इन अंडों को भूसे में रखा जाता है। इसके बाद अंडे पर सिंदूर लगा दिया जाता है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रामपुर तिराहा बरवाड़ा मजरा स्थित गोदाम में छापा मारकर सफेद अंडे के काला कारोबार का खुलासा किया है। यहां चाय की पत्ती और कत्थे के रंग से सामान्य अंडे को देसी बनाया जाता था। साथ ही उसे करीब तीन गुने दामों पर बेचा जा रहा था। टीम ने 45360 रंगीन और 35640 सफेद अंडों के साथ चाय की पत्ती, कत्था, सिंदूर, कलर समेत अन्य सामान बरामद कर गोदाम सील कर दिया है। पुलिस ने व्यवसायी को हिरासत में ले लिया है। इसके अलावा व्यवसायी के अंडों की ब्रिकी पर रोक लगा दी गई है। सहायक आयुक्त (खाद्य) राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव को सफेद अंडे के काले कारोबार की गोपनीय सूचना मिली। इसके बाद मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्र बहादुर यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने रामपुर तिराहा बरवाड़ा मजरा स्थित अंडा व्यवसायी अल्लाह खां के गोदाम पर छापा मारा। यहां टीम को 45360 रंगीन और 35640 सफेद अंडे मिले।

इसके अलावा कलर, सिंदूर, कत्था, चाय की पत्ती भी बरामद किया गया। मौके पर अंडा कलर करने वाले नौ मजदूर पकड़े गए। पूछताछ के दौरान अल्लाह खां

अपना नाम हनीफ और बादशाह बता रहा। इस दौरान वह खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और पुलिस से बहस करने लगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने लाइसेंस मांगा तो दूसरे का लाइसेंस दिखाने लगा। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नाम नहीं बताने पर व्यवसायी अल्लाह खां को धारा 39 के तहत पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। बरामद अंडों की कीमत पर लगभग 3.89 लाख रुपये बताई जा रही है। सहायक आयुक्त खाद्य के निर्देश पर गोदाम को सील कर दिया गया। साथ ही व्यवसायी के अंडे बिक्री करने पर रोक लगा दी गई। कार्रवाई दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके यादव और प्रजन सिंह मौजूद रहे।

3.30 रुपये का अंडा, कलर चढ़ते हो जाता था 9 का- खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि व्यवसायी पंजाब से अंडे की खेप सस्ते दर पर मंगाता है। व्यवसायी को एक अंडा 3.30 रुपये में पड़ता है। अंडे की खेप आने पर गोदाम में उनकी छटाई होती है। छोटे अंडों को देसी बनाने के लिए अलग किया जाता है। सफेद अंडे को रंगीन करने के बाद सेल्समैनों को छह रुपये में बेचता था। जबकि सेल्समैन बाजार में एक अंडा नौ रुपये में बेचते थे।

ऐसे करते थे काला कारोबार- गोदाम में मौजूद कर्मचारियों ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को बताया कि पहले चाय की पत्ती गरम करने के बाद उसमें सफेद अंडे डूबाकर निकाल लिए जाते हैं। इसके बाद इन अंडों को भूसे में रखा जाता है। इसके बाद अंडे पर सिंदूर लगा दिया जाता है। दूसरी विधि पानी में कत्थे को थोड़ा गरम कर उसमें अंडा रखा जाता है। कर्मचारियों ने बताया कि इसके बाद सामान्य अंडे का रंग बदल जाता था और वह देसी ज्याद दिखने लगता था।

48 घंटे बाद बदल जाता है अंडे का कलर-रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक कर्मचारी सफेद अंडे को रंगीन कर देसी बनाते हैं। सुबह 20-22 की संख्या में सेल्समैन आते हैं और अंडे की बिक्री कर कमीशन लेते हैं। रंगीन अंडे की अवधि 48 घंटे होती है। 48 घंटे के बाद अंडे का कलर बदल जाता है। इस प्रकार देसी अंडा बनाने का गोरख धंधा वर्षों से चल रहा था।

प्रतिदिन 13 से 15 लाख अंडे की होती खपत- जिले में प्रतिदिन 13 से 15 लाख अंडे की खपत होती है। वहीं सिर्फ जिले के चार पोल्टी फार्म एक लाख अंडे प्रतिदिन मुर्गियों से तैयार करते हैं। यह जानकारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुनील दत्त प्रजापति ने दी है। उन्होंने बताया कि जिले में 19 पोल्ट्री फार्म मीट का कारोबार करते हैं। जिले की पूर्ति के लिए व्यवसायी करीब 12 लाख अंडे प्रतिदिन की खपत के लिए बाहर से मंगाते हैं।

रासायनिक रंग का कर रहे थे प्रयोग -जांच अधिकारियों के मुताबिक देसी अंडा तैयार करने के लिए रासायनिक रंगों का प्रयोग किया जा रहा था। जो शरीर के लिए भी हानिकारक है। पता चला है कि कारोबारी कई वर्षों से गोपनीय तौर पर यह कारोबार कर रहा था। रोज सुबह गोदाम के पास करीब 25 सेल्समैन अंडा सप्लाई करने के लिए आते थे। आस पास के लोगों ने इस मामले में शिकायत भी की थी।

व्यवसायी कृत्रिम ढंग से देसी अंडों को बनाकर आम जनता के साथ धोखाधड़ी कर रहा था। आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। इस मामले में लैब से रिपोर्ट आने पर अन्य कार्रवाई की जाएगी। रात भर हुई कार्रवाई के दौरान मौके से सभी सामानों का सैंपल लेकर जब्त किया गया है। -राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त (खाद्य), मुरादाबाद जोन

मुरादाबाद एटीएम लूट: नूंह में पुलिस का डेरा.. दिल्ली में तीन संदिग्धों से पूछताछ, बदमाशों ने ऐसे दिया चकमा

मुरादाबाद से एटीएम लूटने वाले गिरोह की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। अधिकारियों के अनुसार हरियाणा और दिल्ली में कुछ टीमें लगी हुई हैं। उधर, दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।एटीएम उखाड़ने वाले गिरोह की तलाश में पुलिस हरियाणा के नूह में डेरा डाल दिया है। जबकि दिल्ली भेजी गई टीम तीन संदिग्ध बदमाशों से पूछताछ कर वापस लौट आई। वहीं हरथला एटीएम लूटकांड में शामिल मुरादाबाद के बदमाश दो करीबियों को अभी पुलिस नहीं

छोड़ा है।दोनों से पूछताछ जारी है।

दिल्ली रोड पर लोकोशेड पुल के पास से एटीएम उखाड़ने की घटना के 72 घंटे बाद भी आरोपियों का पता नहीं चल सका है। इस मामले में दिल्ली भेजी गई टीम तीन पुराने बदमाशों से पूछताछ कर लौट आई है। तीनों बदमाश पहले एटीएम लूटकांड में गिरफ्तार किए गए थे। वहीं हरियाणा के नूंह में भेजी गई टीम अभी स्थानीय पुलिस से संपर्क कर गिरोहों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि सोमवार को कौन गिरोह नूंह से गायब रहा है। वहीं पुलिस की एक टीम 2020 एमटीएम लूटकांड के एक आरोपी की तलाश कर रही है। आरोपी मूल रूप से अमरोहा जिले के हसनपुर का रहने वाला है लेकिन वर्तमान समय में संभल में रह रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी सोमवार से गायब है। इसी कारण पुलिस उसके करीबियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अभी निर्धारित नहीं कर सकी है कि घटना में कौन गिरोह शामिल रहा है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एंबुलेंस सेवा को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित किए जा रहे ईएमटी ,जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर इंतजार हुसैन ने किया मार्गदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली7 ईएमआरआई ग्रीन हैल्थ सर्विस संस्था की तरफ से ईएमटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज 13 वां बैच समाप्त हो गया है। इसमें संस्था की और से आए हुए ट्रेनर मनोहर लाल और संदीप कुमार ने एम्बुलेंस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए एम्बुलेंस कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। 300 बेड कोविड हॉस्पिटल बरेली में आयोजित क्लस्टर बेस्ड ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में 4 जिलों (बरेली, बदायूं, पीलीभीत, कासगंज) के ईएमटी (इमर्जेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) को अलग-अलग बैच में बुलाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे हर जिले के सभी मरीज को बेहतर सुविधा प्रदान की जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर इंतजार हुसैन ने कार्यक्रम को संबोधित किया और ईएमटी चिकित्सा संबंधी जानकारी दी और एम्बुलेंस में उपलब्ध दवाओं का उपयोग, उपकरण का संचालन एवं आपातकाल में जूझ रहे लोगों के इलाज के बारे मे बताया। एम्बुलेंस कर्मचारियों को बताया के एम्बुलेंस में मरीज को ले जाते समय उनकी हालत को बेहतर बनाए रखना मुख्य कर्तव्य है। इस मौके पर बरेली प्रोग्राम मैनेजर शिवम सोनी, कासगंज प्रोग्राम मैनेजर शुभम सिंह, क्वालिटी ऑडिटर संदीप व सभी जिलों के ईएमटी मौजूद रहे।

हृदय रोगियों को बड़ी राहत – मैक्स हॉस्पिटल, नोएडा ने बरेली में शुरू की एक्सक्लूसिव कार्डियक सर्जरी OPD

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली – दिल के मरीजों के लिए अब इधर उधर परेशान होने की बजाय अब बरेली में ही अत्याधुनिक इलाज की सुविधा और आसान हो गई है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा ने मंगलवार को बरेली के डोहरा स्थित श्री वेदांत हॉस्पिटल और स्टेडियम रोड स्थित खुशलोक हॉस्पिटल के साथ साझेदारी में कार्डियक सर्जरी की एक्सक्लूसिव हृक्ष सेवाओं की शुरुआत की। लॉन्चिंग कार्यक्रम में मैक्स हॉस्पिटल नोएडा के कार्डियक सर्जरी विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. मनोज लूथरा, ष्टञ्जङ्कस्र विभाग के कंसल्टेंट डॉ. अभिषेक कुमार, श्री वेदांत हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. दीप पंत और खुशलोक हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. ललित पगरानी मौजूद रहे। हर महीने विशेषज्ञों की उपलब्धता इस दौरान दोनों विशेषज्ञ प्राथमिक परामर्श, फॉलो-अप और जटिल दिल की बीमारियों के उपचार हेतु सलाह देंगे। हार्ट की बीमारी को नज़रअंदाज़ करना खतरनाक – डॉ. लूथरा मैक्स हेल्थकेयर– देश का प्रमुख हेल्थकेयर नेटवर्क मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड देश के सबसे बड़े और विश्वसनीय हेल्थकेयर नेटवर्क में शामिल है। करीब 20 हेल्थकेयर फैसिलिटी, 5,200 से अधिक बेड क्षमता और उत्तर भारत में मजबूत उपस्थिति के साथ यह उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। साकेत स्थित इसका सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल देश के शीर्ष टर्शियरी और क्वाटरनरी केयर सेंटरों में माना जाता है। इसके अलावा पटपड़गंज, वैशाली, राजेंद्र प्लेस, द्वारका, नोएडा, शालीमार बाग, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, मोहाली, बठिंडा और देहरादून समेत कई शहरों में इसकी अस्पताल श्रृंखला सक्रिय है। मैक्स हेल्थकेयर अपने स्र्ड्ड×ञ्च॥श्वद्र और स्र्ड्ड× ख्रुड्ढ के जरिए सुविधाजनक होमकेयर और पैथोलॉजी सेवाएं भी प्रदान करता है।

शहर में आज जुटेंगे देश भर के 1000 से अधिक विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानि आईएमए बरेली को 15 साल बाद प्रदेश स्तरीय वार्षिक अधिवेशन यूपीकॉन की मेजबानी का मौका मिला है। बरेली के लिए यह मौका मिलना किसी गौरव से कम नहीं है। बरेली आईएमए की ओर से 29 और 30 नवंबर को आयोजित होने जा रहे प्रदेश स्तरीय वार्षिक अधिवेशन में देश भर से 1 हजार से अधिक चिकित्सक हिस्सा लेंगे। यह जानकारी आईएमए यूपी के इलेक्टेड प्रेसीडेंट डॉ. रवीश अग्रवाल ने बुधवार को आईएमए भवन में पत्रकारों से बात करते हुए दी। आईएमए के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. सुदीप सरन ने बताया कि कांफ्रेंस में पहले दिन कार्डियोलाजी और दूसरे दिन पल्मोकान होगा। इसमें मेदांता, मेडिसिटी समेत कई बड़े अस्पतालों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। आईएमए फार्म हाउस पर सम्मान समारोह आयोजित होगा। इसके मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक होंगे। डॉ. विनोद पागरानी ने बताया कि इस कांफ्रेंस में अब तक का सर्वाधिक पंजीकरण हुआ है। आयोजन विशेषज्ञों की भागीदारी के लिहाज से रिकॉर्ड बनाएगा। कांफ्रेंस में यूजी और पीजी के मेडिकल छात्रों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा। डॉ. विमल भारद्वाज ने बताया कि पहले दिन स्टेट वर्किंग कमेटी की बैठक होगी। इसमें प्रदेश स्तरीय एजेंडे पर चर्चा के साथ ही अस्पताल-शासन से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही नई टीम का पदभार ग्रहण भी होगा। डॉ. रवि मेहरा ने बताया कि 30 नवंबर को एमबीबीएस के छात्रों के लिए विशेष शैक्षणिक सत्र होगा। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि कल्चरल नाइट में कोलकाता और भोपाल के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। इस दौरान डॉ. राजीव गोयल, डॉ. अनूप आर्या, डॉ. अंशु अग्रवाल, डॉ. रितु राजीव, डॉ. शालिनी माहेश्वरी समेत अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

बीएचयू में तय समय पर नहीं शुरू हुए पीएचडी आवेदन, जल्द पोर्टल पर जारी होगी बुलेटिन

बीएचयू में तय समय पर पीएचडी आवेदन नहीं शुरू हुए। बीएचयू की पीएचडी बुलेटिन https://bhuonline.in/ पोर्टल पर जारी होगी।बीएचयू में 1600 सीटों पर पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को शुरू नहीं हो सकी। बृहस्पतिवार को बीएचयू की वेबसाइट पर सुबह के बाद सूचना फ्लैश की गई कि बृहस्पतिवार शाम से पीएचडी में आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और जल्द ही पीएचडी बुलेटिन जारी हो जाएगी। लेकिन, रात 9 बजे के बाद पुरानी सूचना को हटाकर दूसरी सूचना फ्लैश कर दी गई कि पीएचडी में आवेदन की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। बीएचयू की पीएचडी बुलेटिन https://bhuonline.in/ पोर्टल पर जारी होगी। इसी पर आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू होगी। सबसे ज्यादा सीटें फिजिक्स और केमिस्ट्री विभागों को दी गईं हैं। वहीं, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग में इस बार हर साल से ज्यादा 22 सीटें आई हैं। इस बार चारों संबद्ध कॉलेजों को 150 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय बरेली में आई.क्यू.ए.सी. (आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ) द्वारा फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय रिसर्च मेथोडोलोजी एवं आधुनिक रिसर्च में ए.आई. तकनीकी का प्रयोग था। कार्यक्रम का आरम्भ पारंपरिक प्रचलन के अनुसार मुख्य अतिथि के.बी.अग्रवाल, वक्ता सी.ए. कपिल अग्रवाल एवं डॉ. प्रतिभा सागर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.), बरेली के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल , महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), शैक्षिक उन्नयन समिति के चेयरमैन अजय अग्रवाल, सुधांशु अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमित अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

तत्पश्चात महाविद्यालय के महामंत्री द्वारा स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का महत्व व उद्देश्यों को समझाया।

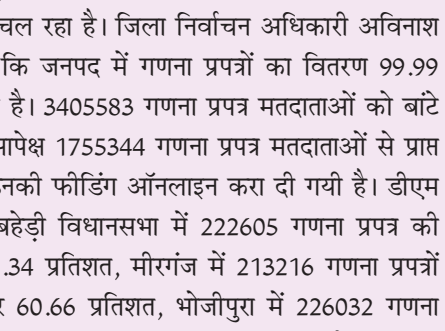

आज के प्रथम वक्ता सी.ए. कपिल अग्रवाल ने आधुनिक अनुसन्धान में ए.आई. तकनीकी के प्रयोग एवं उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की एवं आधुनिक शोध में प्रस्तुतीकरण के महत्व पर प्रकाष डाला। वहीं कार्यक्रम की द्वितीय वक्ता डॉ. प्रतिभा सागर (शिक्षक शिक्षा विभाग, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विष्वविद्यालय परिसर बरेली) ने अपने व्याख्यान शोध पत्र लेखन की बारीकियां बताते हुए शोध पत्र, लेखन एवं प्रकाशन पर प्रकाश डाला। शैक्षिक उन्नयन समिति के चेयरमैन ने ए.आई एवं मानव तार्किक क्षमता में अंतर को बारीकी से समझते हुए कहा कि ए.आई का विकास मानव ने किया है और ये हम पर निर्भर करता है कि हम इसका प्रयोग कैसे और कब करे। आज के मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान में कहा कि ए.आई. तकनीकी माध्यम है जिससे कि हम अपने विषय पर आधारित तथ्यों का संकलन कर सकते है लेकिन उसकी जांच आवश्यक है। धन्यवाद ज्ञापित करते हुये प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने आज के व्याख्यान को बहुत उपयोगी बताया तथा इससे महाविद्यालय के समस्त प्रवक्ता इससे अवष्य ही लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा में प्रतिभाग करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त विभागों के प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया तथा मंच संचालन बी बी ए विभाग की विभागाध्यक्षा सुश्री निशा परवीन ने किया।

बरेली के किसानों पर मेहरबान योगी सरकार ,भारी छूट पर मिलेंगे 1002 सोलर पंप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली- योगी सरकार ने बरेली के अन्नदाता किसानों को बड़ी सौगात दी है। किसानों की समृद्धि और सिंचाई संकट को दूर करने के लिए इस बार बरेली जिले को विशेष प्राथमिकता में रखा है। पीएम कुसुम योजना के तहत जहां पूरे प्रदेश में 40,521 सोलर पंप वितरित किए जाएंगे, वहीं बरेली जनपद के लिए 1002 सोलर पंप का लक्ष्य तय किया गया है। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से 15 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। उपनिदेशक कृषि अमरपाल सिंह ने बताया कि यह योजना बरेली के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है। जिले में जिन किसानों ने पंजीकरण कराया है, उन्हें ई-लॉटरी के माध्यम से सोलर पंप आवंटित किए जाएंगे। आवेदन केवल कृषि विभाग की वेबसाइट पर किया जाएगा। बरेली के किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ-महज पांच हजार में शुरू होगी प्रक्रिया- पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत आवेदन के समय किसानों को सिर्फ 5,000 रुपये टोकन मनी जमा करनी होगी। इसके बाद मोबाइल पर बुकिंग कन्फर्मेशन आएगा। अनुदान घटाने के बाद बची राशि किसान ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। जरूरत पड़ने पर किसान बैंक से ऋण लेकर भी किसान अंश जमा कर सकते हैं, जिस पर ,ढ्ढस्न योजना के तहत 6 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी। उपनिदेशक अमरपाल सिंह के ने बताया कि बरेली में पंप आवंटन पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से होगा। तय नियमों के अनुसार बोरिंग और जमीन सत्यापन पूरा होने पर किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। बरेली में कौन-कौन से पंप सबसे ज्यादा मांग में बरेली में 2 एचपी सबमर्सिबल, 3 एचपी डीसी सबमर्सिबल, 5 एचपी सबमर्सिबल की मांग सबसे ज्यादा है। बरेली के ब्लॉकों में भोजीपुरा, मीरगंज, फतेहगंज, सेंथल, बहेड़ी और फरीदपुर में इन पंपों की सबसे अधिक मांग देखी जा रही है। गंगापुर, बिशारतगंज और नवाबगंज क्षेत्र में भी किसान तेजी से आवेदन कर रहे हैं। सोलर पंप के लिए बोरिंग को लेकर विभाग ने नियम स्पष्ट किए हैं। इसमें 2 एचपी पंप के लिये 4 इंच बोरिंग, 3 व 5 एचपी पंप के लिये 6 इंच बोरिंग, 7.5 व 10 एचपी पंप के लिये 8 इंच बोरिंग होना चाहिये। सत्यापन के समय बोरिंग न मिलने पर टोकन मनी जब्त हो जाएगी और आवेदन निरस्त माना जाएगा।बरेली के किसानों को कितना अनुदान मिलेगा केंद्र और राज्य सरकार मिलकर किसानों को भारी छूट दे रही है कि 2 एचपी सरफेस पंप = 98,593 अनुदान, 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल = 1,00,215 अनुदान, 3 एचपी डीसी सबमर्सिबल = 1,33,621 अनुदान, 5 एचपी एसी सबमर्सिबल = 1,88,038 अनुदान, 7.5-10 एचपी पंप = 2,54,983 तक का सर्वाधिक अनुदान मिलेगा। यह छूट सीधे किसानों की लागत को कम कर रही है और बिजली निर्भरता खत्म कर किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है। उपनिदेशक कृषि अमरपाल सिंह ने बताया कि इस योजना से बरेली जिले में सिंचाई पर आने वाली लागत में भारी कमी आएगी। डीजल और बिजली दोनों से किसानों को राहत मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कि जिले के अधिक से अधिक अन्नदाता सोलर पंप का लाभ लें और आत्मनिर्भर बनें।

बरेली में बनेगा अस्थायी डिटेंशन सेंटर

रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के सत्यापन और वापसी की तैयारी शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश भर में सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बने बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को वापस भेजने की दिशा में प्रशासन सक्रिय हो गया है। घुसपैठियों की पहचान से लेकर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें रखने के लिए बरेली में अस्थायी हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) बनाया जाएगा। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने डीएम अविनाश सिंह को तैयारियां शुरू करने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों जिलों में अवैध रूप से रहने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकालने को कहा था। उन्होंने घुसपैठियों के सत्यापन के लिए अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने के निर्देश दिए थे। बरेली मंडल के आयुक्त ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। उन्होंने डीएम अविनाश सिंह से अभियान चलाकर घुसपैठियों को चिह्नित करने को कहा है। इसके लिए बांग्ला भाषी लोगों का सहयोग लेने को भी कहा है। पहचान सकेंगे, जिससे घुसपैठियों को चिह्नित करने में आसानी होगी। घुसपैठियों को चिह्नित करने के बाद उन्हें अस्थायी हिरासत केंद्र में रखकर भारत में आने का समय, कितने दिन से रह रहे, किस क्षेत्र से घुसपैठ की, अन्य कितने लोगों के साथ आए समेत अन्य पूछताछ की जाएगी। घुसपैठियों से सभी जरूरी जानकारियों लेने के बाद उनके मुल्क वापस भेजने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बरेली में अवैध रूप से रहने वाले घुसपैठियों के विरुद्ध एसएसपी अनुराग आर्य पहले भी अभियान चला चुके हैं। अगस्त में अवैध दस्तावेजों के सहारे रहने वाली तीन बांग्लादेशी महिलाओं को चिह्नित किया था। उनके विरुद्ध प्राथमिकी लिखाई गई। एसएसपी का कहना है कि घुसपैठियों के विरुद्ध दोबारा अभियान शुरू करेंगे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आईएमए यूपीकॉन को आज संबोधित करेंगे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक आज शनिवार को डोहरा रोड स्थित आईएमए फार्म में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की शाखा की ओर से आयोजित आईएमए यूपीकॉन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उनके आगमन का कार्यक्रम गुरुवार को प्रभारी अधिकारी (वीआईपी) अलंकार अग्निहोत्री की ओर से जारी कर दिया गया। कार्यक्रम के अनुसार 29 नवंबर को दोपहर बाद 3.35 बजे राजकीय वायुयान से बृजेश पाठक बरेली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से कार द्वारा रामपुर के लिए रवाना होंगे। वहां से आने के बाद शाम करीब 5.45 बजे उप मुख्यमंत्री आईएमए फार्म पहुंचेंगे। एक घंटे से अधिक समय कार्यक्रम में रहने के बाद बृजेश पाठक शाम 6.40 बजे बरेली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए राजकीय वायुयान से रवाना होंगे। उनके कार्यक्रम को लेकर लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि बरेली एयरपोर्ट से लेकर जनपद रामपुर की सीमा तक सड़क की मरम्मत आदि कार्य प्राथमिकता से करा लें। बिजली विभाग को आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

SIR ने पकड़ी रफ्तार 51.54 प्रतिशत कार्य पूरा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की सूचियों को दुरुस्त करने के लिए जिले में कराए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की रफ्तार रोज बढ़ रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह अपनी टीम के साथ एसआईआर का कार्य 4 दिसंबर तक पूर्णरूप से संपन्न कराने के लिए जी-जान से जुटे हैं। जनपद में एसआईआर का 51.54 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। शुरूआत से बढ़त बनाए मीरगंज विधानसभा का कार्य जिले में सबसे टॉप पर चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि जनपद में गणना प्रपत्रों का वितरण 99.99 प्रतिशत हो गया है। 3405583 गणना प्रपत्र मतदाताओं को बांटे गए हैं। इसके सापेक्ष 1755344 गणना प्रपत्र मतदाताओं से प्राप्त करने के बाद उनकी फीडिंग ऑनलाइन करा दी गयी है। डीएम ने बताया कि बहेड़ी विधानसभा में 222605 गणना प्रपत्र की फीडिंग कर 59.34 प्रतिशत, मीरगंज में 213216 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 60.66 प्रतिशत, भोजीपुरा में 226032 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 57.13 प्रतिशत, नवाबगंज में 199069 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 57.41 प्रतिशत, फरीदपुर में 148202 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 42.99 प्रतिशत, बिथरी चैनपुर में 219228 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 52.70 प्रतिशत, बरेली शहर में 193558 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 41.30 प्रतिशत, बरेली कैंट में 159418 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 41.63 प्रतिशत और आंवला में 174018 गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर 53.62 प्रतिशत एसआईआर कार्य पूरा कर लिया गया है।

भाजपा महानगर एसआईआर अभियान की समीक्षा की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा सिविल लाइंस कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने पार्टी कार्यालय पर सभी पदाधिकारीयों के साथ SIR अभियान की समीक्षा की गई और फॉर्म भरने में सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के बी एल ओ से संपर्क कर अभियान में तेजी लाएं एवं आगामी 30 नवंबर दिन रविवार को प्रातः 11–00 बजे होने वाले मन की बात कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई और प्रत्येक बूथ पर मन की बात का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा बैठक में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना महानगर उपाध्यक्ष विष्णु शर्मा, रेखा श्रीवास्तव, महानगर मीडिया प्रभारी बंटी ठाकुर, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र मौर्य, पुष्पेंद्र शुक्ला, राहुल प्रजापति, अरुण गुप्ता, जतिन पाराशरी, फूल सिंह, गौरंग गौरव, मोहित शंखधर एवं समस्त कार्यकर्ता कर मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कोई भी पात्र परिवार उज्ज्वला योजना से वंचित न रहे - कलेक्टर चौधरी

उज्ज्वला योजना 3.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के सुचारू और लक्ष्यपूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर रवीन्?द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी मोतीलाल अहिरवार सहित राजस्व, आदिम जाति कल्याण, खाद्य, ई-गवर्नेंस, एनआईसी, ऑयल कंपनियों तथा सभी गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर चौधरी ने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र परिवार उज्ज्वला योजना 3.0 के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए सभी गैस एजेंसियों को सार्वजनिक स्थानों पर बैनर-पोस्टर लगाने तथा नए गैस कनेक्शन हेतु आवश्यक आवेदन-पत्र हिंदी में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी दस्तावेज की कमी के कारण किसी आवेदक का फार्म या ई-केवाईसी लंबित न रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि योजना के पात्र परिवारों की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी गैस एजेंसियों को दी जाए। ग्राम सचिवों को निर्देशित किया गया कि वे पात्र हितग्राहियों के भरे हुए आवेदन संबंधित एजेंसियों तक पहुंचाएं। उज्ज्वला योजना 3.0 31 मार्च 2026 तक संचालित रहेगी तथा उज्ज्वला 2.0 के शेष पात्र परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। वर्तमान में जिले में 2,87,663 एलपीजी कनेक्शनधारी पंजीबद्ध हैं। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर जिला आपूर्ति अधिकारी तथा ब्लॉक स्तर पर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को अधिकृत किया गया है, ताकि योजना का क्रियान्वयन बिना बाधा के जारी रहे। बैठक में पात्रता मानदंडों की विस्तार से जानकारी दी गई। पात्र वे परिवार होंगे जिनकी मासिक आय 10 हजार रुपये से अधिक न हो, परिवार में कोई आयकर दाता या सरकारी कर्मचारी न हो, परिवार के पास व्यावसायिक कर, पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम, 3/4 पहिया वाहन अथवा मशीनीकृत कृषि यंत्र न हों। इसके अलावा भूमि धारिता, सिंचाई साधन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट तथा पूर्व से एलपीजी कनेक्शन न होने जैसी शर्तें भी पात्रता में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत अपूर्ण आवासों पर 7 दिवस में कार्य पूर्ण न करने पर होगी राजस्व वसूली एवं समर्पण की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक के अंतर्गत नगर पालिका परिषद शिवपुरी द्वारा पात्र हितग्राहियों को कुल 2.50 लाख रुपए की राशि विभिन्न किश्तों में प्रदान की जाती है। योजना के तहत प्रथम किस्त भूमि की जियो टैगिंग उपरांत जारी की जाती है, जिसके पश्चात हितग्राही अपने आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ करते हैं। निर्माण की प्रगति के अनुसार आगामी किश्तें जियो टैग कर जारी की जाती हैं। मुख्?य नगर पालिका अधिकारी शिवपुरी ने बताया कि प्रथम एवं द्वितीय किश्त प्राप्त करने वाले कुल 182 हितग्राहियों द्वारा अब तक आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। वरिष्ठ कार्यालय की समीक्षा बैठक में इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई तथा निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य पूर्ण न करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध राजस्व वसूली एवं आवास समर्पण की कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। उन्?होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा सभी 182 हितग्राहियों को समय-समय पर फील्ड इंजीनियरों के माध्यम से निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए सूचित किया गया है। अब अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सात दिवस की अवधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इस अवधि में कार्य पूर्ण न करने की स्थिति में संबंधित आवासों का समर्पण कर राजस्व वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिसके लिए संबंधित हितग्राही स्वयं उत्तरदायी होंगे तथा किसी प्रकार का दावा या आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी। संबंधित हितग्राहियों की सूची नगर पालिका कार्यालय (गांधी पार्क) के सूचना पटल पर प्रदर्शित कर दी गई

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ली जनरल परेड की सलामी, कहा अच्छे कार्यो से पुलिसिंग होगी मजबूत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में जनरल परेड की सलामी ली। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट वेशभूषा एवं परेड़ के लिए जवानों को पुरस्कृत किया। शासकीय वाहनों का जायजा लिया और आरक्षक चालकों को अनिवार्य रूप से मेंटनेंश डे पर वाहनों में जरूरी मरम्मत कराने तथा रक्षित निरीक्षक को वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। परेड़ के उपरान्त डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस जवानों के समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होंने जवानों को कहा कि आप में काम करने की क्षमता बहुत है दृढ़ इच्छा शक्ति और लगन के साथ कार्य करें। जब हम सभी अच्छा काम करेंगे तो पुलिसिंग मजबूत होगा, अच्छे कार्यो से हममें ज्ञान के साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि थाना के कार्यो को नियमित चेक करें इससे कार्य और बेहतर होती है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अनूप एक्का, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

न्याय की ओर मजबूत कदम, नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में छात्रों व नागरिकों को दी गई नई कानूनी प्रावधानों की जानकारी।

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ छात्रों ने प्रदर्शनी में नए कानूनों की बारीकियों को करीब से देखा और समझा, युवाओं-छात्रों में कानूनी जागरूकता बढ़ी और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास हुआ और मजबूत।

सूरजपुर। जिले की पुलिस के द्वारा न्याय की ओर मजबूत कदम, नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी सूरजपुर कोतवाली परिसर में लगाया गया है। यह प्रदर्शनी 5 दिवसीय होगी जिसका शुभारंभ गुरूवार, 27 नवम्बर को किया गया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में शुक्रवार को कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों, नगर के गणमान्य नागरिकों ने प्रर्दशनी में नए कानूनों की बारीकियों को करीब से देखा और समझा। इस अनुभव ने युवाओं-छात्रों में कानूनी जागरूकता और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास को और मजबूत किया है।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बताया कि कानून सिर्फ किताबों में नहीं, अब युवाओं-नागरिकों की समझ में भी रच बस गया है। कानून का ज्ञान होने से सभी उसका बेहतर उपयोग कर सकेंगे। नवीन कानूनों की प्रदर्शनी में नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के बारे में जानकारी दी जा रही है जिसमें आधुनिक पुलिस तकनीक और डिजिटल नवाचारों का प्रदर्शन किया गया है। नागरिकों और छात्रों को नए कानूनों के मुख्य प्रावधानों, जैसे कि एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, डिजिटल साक्ष्य, और त्वरित न्याय की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में पुलिस के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई जिनके द्वारा छात्रों व नागरिकों को अवगत कराया जा रहा है कि अब यदि किसी व्यक्ति के साथ किसी भी राज्य में कोई घटना घटती है, तो उसकी एफआईआर दूसरे राज्य में भी कराई जा सकती है। नए कानूनों के लागू होने से अदालतों में फैसले जल्द होंगे। ई-फोरेंसिक्स और ई-प्रॉसिक्यूशन जैसी तकनीकों के उपयोग के लाभ, ई-एफआईआर, एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, ई-साक्ष्य एप्लीकेशन के माध्यम से अपराध स्थल पर ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की अनिवार्यता बताई गई।

स्कूल के बरामदे की शटरिंग गिरी, पिलर भी ढहे, पांच मजदूर मलबे में दबे, राजमिस्त्री जान बचाकर भागा

संविलियन विद्यालय के बरामदे में काम चल रहा था। अचानक बरामदे की शटरिंग गिर गई। जिसके मलबे में पांच मजदूर दब गए।

एक गंभीर मजदूर को आगरा रेफर किया गया है। मामले में जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।हाथरस के अंतर्गत सहपऊ में ग्राम पंचायत मढ़ापिथू के मौजा नगला रमजू स्थित नवनिर्माणाधीन संविलियन विद्यालय में 28 नवंबर को बरामदे की शटरिंग अचानक गिर पड़ी, जिसके साथ ईंटों से बने पिलर भी ढह गए। हादसे के दौरान बरामदे में काम कर रहे पांच मजदूर मलबे में दब गए, जबकि अन्य मजदूर और राजमिस्त्री जान बचाकर वहां से भाग निकले।

ग्रामीणों और विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दबे हुए मजदूरों को बाहर निकाला और उन्हें सादाबाद सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने एक मजदूर की हालत गंभीर देखते हुए उसे आगरा रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। खंड शिक्षा अधिकारी सुल्तान अहमद, कोतवाली प्रभारी मयंक चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने विद्यालय निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री उपयोग करने का आरोप लगाते हुए बीईओ से मौके पर ही बहस की। एसडीएम मनीष चौधरी ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

अपर पुलिस अधीक्षक ने इंडो-नेपाल बॉर्डर का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। सिरसिया जनपद सुरक्षा एवं सतर्कता को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने इंडो नेपाल बॉर्डर सहित जनपद के समस्त थानो को हाई अलर्ट पर रखते हुए सघन चेकिंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम ने थाना सिरसिया क्षेत्र के अंतर्गत इंडो-नेपाल बॉर्डर के चेक पोस्ट भैसाही नाका में पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा तंत्र को सक्रिय बनाए रखने हेतु चर्चा की व आस पास के क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण किया तत्पश्चात थाना सिरसिया पुलिस व रद्द की संयुक्त टीम के साथ पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं ड्यूटीरत कर्मचारियों को सतर्क रहकर रात्रि ड्यूटी करने तथा संदिग्ध व्यक्ति वाहन की निरंतर चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों इसके अलावा थाना मल्हीपुर व थाना सिरसिया की अन्य टीमों द्वारा इंडो-नेपाल सीमा पर स्थानीय पुलिस व ररइ कि संयुक्त टीम द्वारा संवेदनशील वाले क्षेत्रों, स्थानीय साप्ताहिक बाजारों, सार्वजनिक आयोजनों एवं धार्मिक स्थलों, प्रतिष्ठानों पर गस्त कर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग की गई। यूपी 112 पीआरवी के निरंतर भ्रमणशील रहने एवं सोशल मीडिया पर निरंतर निगरानी करते हुए हर इनपुट को गंभीरता से लेने व अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध तत्काल सूचना देने हेतु संबंधित दिशा निर्देश दिया गया।

व्यापारियों को हर संभव सहयोग करेगी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के प्रमुख व्यवसायियों सर्राफा/पेट्रोल पंप/गैस एजेंसी एवं ईंट भट्ठा स्वामियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था तथा उनकी समस्याओं के निराकरण हेत क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा ने बैठक की। व्यापारियों से उनके क्षेत्र में आ रही प्रमख समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। व्यापारी वर्ग की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर मासिक गोष्ठी किए जाने के संबंध में व्यापारी बंधुओ को आश्वस्त किया। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी ने व्यापारी बंधुओ को पलिस विभाग द्वारा उनको हर संभव सहयोग दिए जाने तथा उनके साथ सद्व्यवहार किए जाने का भी आश्वासन दिया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी सर्राफा/पेट्रोल पंप/गैस एजेंसी/ईंट भट्ठा व्यवसायियों से गार्डों/चौकीदारों का पूलिस वेरिफिकेशन कराने तथा बाल श्रम न कराने का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त किसी भी अप्रिय घटना जैसे: चोरी व लूट आदि की रोकथाम हेत प्रत्येक व्यवसायी को ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिये प्रेरित भी किया। साथ ही साथ क्षेत्राधिकारी ने जन सहयोग से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के लिए सभी व्यापारी बंधुओ को धन्यवाद भी दिया, अग्निकांड जैसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी व्यापारी बंधुओ से सरक्षा के उपकरणों पर लगाने तथा अपराध से बचने के ऑनलाइन ठगी/साइबर लिए अपना ओटीपी किसी से शेयर न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी बैंक डिटेल किसी अनजान से शेयर न करने के संबंध में भी निर्देशित किया। इस दौरान दीनानाथ गुप्ता जिला अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल, विनोद साहू जिला महामंत्री व्यापार मंडल, सूफी सगीर अहमद मिथलेश कुमार शुक्ला, आलमगीर, सत्य प्रकाश आर्य उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, जुगल किशोर सिंह इंडियन बैंक सीडीएम सहित अन्य व्यापारी बंधु, यातायात प्रभारी मोहम्मद समीम एवं थानों से आये अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

शाहजहांपुर में दर्दनाक हादसा: लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर कार से टकराई एंबुलेंस, महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत

लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम रमापुर दक्षिणी के सामने एंबुलेंस के आगे चल रही कार से टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस सवार सुशीला देवी और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई है।लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मीरानपुर कटरा क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात कार से एंबुलेंस टकरा गई। हादसे में गर्भवती सुशीला (35) और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई।मदनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गिरधरपुर निवासी नेमवीर सिंह ने बृहस्पतिवार को अपनी गर्भवती पत्नी सुशीला देवी को प्रसव पीड़ा होने पर राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने पर यहां से उन्हें बरेली के लिए रेफर कर दिया गया था। परिजन निजी एंबुलेंस से महिला को लेकर बरेली जा रहे थे।रात करीब नौ बजे लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम रमापुर दक्षिणी के सामने एंबुलेंस के आगे चल रही कार से टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस सवार सुशीला देवी और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई है। सुशीला के साथ जा रहीं जेठानी भगवानश्री, देवर उमेश और राकेश को भी चोटें आईं हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार और एंबुलेंस को कब्जे में लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि अभी किसी ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर आने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ध्यान योग कार्यक्रम: राष्ट्रपति बोलीं- तकनीकी के साथ समाज में बढ़ी ईर्ष्या और दुख; मेडिटेशन बचने का कारगर उपाय

ब्रह्मकुमारीज संस्थान की ओर से आयोजित ध्यान योग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं। उन्होंने कहा कि तकनीकी के साथ समाज में ईर्ष्या और दुख भी बढ़ा है। इससे बचने का मेडिटेशन एक कारगर उपाय है। राजधानी लखनऊ में सुल्तानपुर रोड स्थित गुलजार उपवन में शुक्रवार को ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से राज्यस्तरीय ध्यान योग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं हैं। उनके साथ सीएम योगी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद हैं। मंच पर सीएम और राज्यपाल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। बिना पास और जांच के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया गया। बच्चियों ने मयूर नृत्य से राष्ट्रपति का स्वागत किया। दीदियों को कलश और भाइयों को ध्वजा देकर राष्ट्रपति ने उन्हें सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ के रंगोली कलाकार हितेश ने उनके स्वागत में गुलजार दादी और राष्ट्रपति की खूबसूरत रंगोली बनाई है। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने बताया कि राष्ट्रपति के लिए एक विशेष कक्ष बनाया गया है, जहां वह कुछ देर ध्यान करेंगी। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव का क्षण है कि ध्यान योग को लेकर हम इतना बड़ा अभियान शुरू करने जा रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रपति की मौजूदगी हमारे लिए गौरव की बात है। शिक्षक के रूप में उनकी भूमिका बहुत अहम रही। पार्षद से लेकर राष्ट्रपति तक का सफर तय किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को इस बड़े अभियान के लिए बधाई। राजयोग के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का आप सभी प्रचार कर रहे हैं। यह केंद्र समाज को जोड़ने अहम भूमिका निभाएगा। मेडिटेशन से दूर होता है तनाव- आनंदीबेन पटेल इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वर्ष 1937 में जब समाज व्याधियों से व्यथित था, ऐसे समय में इस संस्थान की नींव रखी गई। यह संस्था विभिन्न आयामों से राष्ट्र निर्माण की गतिविधियां निभा रही है। विश्व की यह विशाल संस्था नारी शक्ति द्वारा संचालित है। राजयोग मेडिटेशन वह साधन है जो व्यक्ति को सद्गुण की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि राजयोग से सुख, शांति, पवित्रता जैसे गुण स्वतः आने लगते हैं। मेडिटेशन हमें सिखाता है कि आत्मा अमर अविनाशी है। राजयोग एक अभ्यास नहीं, बल्कि संपूर्ण सकारात्मक जीवन शैली है। मेडिटेशन हमें श्रृष्टि के चक्र का बोध कराता है। वर्तमान परिस्थितियां हमारे कर्मों का ही कल है। यह अपने आप से मिलने की अनुभूति है। यह हमें स्वयं को सुनना और शांत होना सिखाता है।

आध्यात्मिक अनुभव से मृत्यु का डर पीछे छूट जाता है

राज्यपाल ने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना चुनौतीपूर्ण समय में हुई, जो वैश्विक चेतना का आरंभ था। विश्व शांति के लिए राजयोग बहुत जरूरी है। स्व परिवर्तन से ही जगत के परिवर्तन का रास्ता मिलता है। परिस्थितियों को दोष देने की प्रवत्ति पीछे छूट जाती है। आध्यात्मिक अनुभव से मृत्यु का डर भी पीछे छूट जाता है।नारी सशक्तिकरण और शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय- राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओम शांति कहकर अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने ध्यान योग अभियान की शुरुआत के लिए ब्रह्मकुमारीज बहनों को धन्यवाद दिया। कहा कि मनुष्य ने विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में बेशक खूब तरक्की कर ली है, लेकिन समाज में तकनीकी उन्नति के साथ एकाकीपन, ईर्ष्या, अविश्वास और दुख भी बढ़ा है। इसके लिए मेडिटेशन एक कारगर उपाय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हम केवल आगे बढ़ने के लिए ही नहीं बल्कि स्वयं के भीतर झांकने की भी आदत डालें। विश्वास वहीं टिकता है, जहां विचार स्वस्थ और भावनाएं स्वच्छ होती हैं। हमारे भीतर आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, विश्वास और भाईचारा भी विकसित होता है। ब्रह्मकुमारीज संस्था की ओर से योग के माध्यम से पूरे विश्व में शांति, सुख और प्रेम का संदेश जन जन तक पहुंचाया जा रहा है। संस्था की ओर से नारी सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में भी किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय है।

संक्षिप्त समाचार

कफ सिरप केस: काले कोट से काले कारनामे छुपाने के लिए सफेदपोश बन रहा था टाटा, गिरफ्तारी से पहले गया था महाकाल

कफ सिरप मामले में एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार अमित सिंह टाटा सेंट्रल बार के पूर्व उपाध्यक्ष की मौत में नामजद था। आरोपी अमित सिंह टाटा कचहरी में अधिवक्ता भी है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्र संघ चुनाव से सक्रिय अमित सिंह टाटा का नाम पूर्व में मुन्ना बजरंगी गिरोह से भी जुड़ा था। सात आपराधिक मुकदमों में आरोपी अमित सिंह टाटा कचहरी में अधिवक्ता भी है। पूर्व में सेंट्रल बार का प्रबंध समिति का सदस्य भी रह चुका है। सेंट्रल बार के पूर्व उपाध्यक्ष अधिवक्ता राजा आनंद ज्योति सिंह की मौत में अमित सिंह टाटा पर जहर देकर मारने का आरोप था। ज्योति के पिता ने चौबेपुर थाने में अमित सिह टाटा के खिलाफ तहरीर दी थी।पिछले दो साल से वह शुभम जायसवाल के संपर्क में आकर कफ सिरप तस्करी के नेटवर्क को संभाल रहा था। पूर्व सांसद के भरोसेमंद बन चुके अमित सिंह टाटा को जौनपुर के रामपुर ब्लॉक से ब्लॉक प्रमुख बनाने की दिशा में पूर्व सांसद की टीम काम कर रही थी। फायनेंस की जिम्मेदारी शुभम ने अपने कंधे पर ले रखी थी। गिरफ्तारी से पहले महाकाल के दर्शन को गए थे आरोपी पूर्व सांसद के साथ रहने वाले बर्खास्त सिपाही और अमित सिंह टाटा समेत चार लोग एसटीएफ की गिरफ्तारी से पहले उज्जैन महाकाल के दर्शन को गए थे। दर्शन के बाद एसटीएफ ने बर्खास्त सिपाही और अमित सिंह टाटा को हिरासत में लिया। पूर्व सांसद के प्रभाव में बर्खास्त सिपाही को छोड़ दिया गया लेकिन अमित सिंह टाटा के खिलाफ पर्याप्त पुख्ता साक्ष्य होने के कारण पूर्व सांसद ने अपने कदम पीछे खींच लिए।

डेढ़ साल के अंदर तीन गाड़ियों के काफिले संग चल रहा था अमित सिंह टाटा-जरायम से जुड़े लोगों की मानें तो अमित सिंह टाटा पिछले डेढ़ साल के अंदर फार्च्यूनर, स्कॉर्पियो जैसी तीन गाड़ियों के काफिले संग चल रहा था। लाइफ स्टाइल अचानक से हाई हो गई। कहा जा रहा था कि यह गाड़ियां शुभम ने ही टाटा को गिफ्ट की थी। दबंग छवि वाले अमित सिंह टाटा को साथ रखने की असल वजह शुभम की यह रही कि शहर के अन्य दबंग लोग उससे रंगदारी न वसूल सकें। शुभम को एक तरह से टाटा ने कवच के रूप में रखा था। शुभम से टकराने से पहले टाटा से टकराने जैसे बयान शहर की फिजाओं में तैर रहे थे। टाटा को और मजबूत करने के उद्देश्य से शुभम ने रामपुर ब्लॉक प्रमुख की दावेदारी के लिए टाटा को आगे किया हुआ था। लैंड क्रूजर और फार्च्यूनर जैसी महंगी गाड़ियां उपहार में देता है शुभम

एसटीएफ की जांच में यह भी सामने आया कि पूर्वांचल के तीन नेताओं को शुभम जायसवाल ने लैंड क्रूजर और फार्च्यूनर जैसी गाड़ियां गिफ्ट में दी हैं। दुबई में बैठे शुभम जायसवाल के करीबी वरुण सिंह, गौरव जायसवाल, सिगरा के होटल और रियल एस्टेट कारोबारी समेत अन्य कई नाम का खुलासा होना बाकी है। पूर्वांचल के जौनपुर, चंदौली, वाराणसी के कई नेताओं और रसूखदारों को शुभम लाभान्वित कर चुका है। एप्पल के मैकबुक में शुभम ने सभी का काला चिट्ठा का हिसाब रखा हुआ है। साड़ी, होटल, बालू, कोयला, सरिया समेत अन्य कारोबार में भी शुभम ने कदम बढ़ा दिए थे।छोटी मछली है टाटा, बड़ी मछलियों को फेंका जा रहा है कांटा- एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि कफ सिरप कांड में बड़ी मछलियों की संख्या अनगिनत है। बड़े-बड़े माफिया इसमें शामिल हैं। अमित सिंह टाटा तो छोटी मछली है, जो कि कांटे में फंस गई। बड़ी मछलियां भी जल्द कांटे में फंसेंगी।

कफ सिरप का पुष्पा बना शुभम, पावर और पैसा देख सफेदपोशों का भी डोला ईमान

वाराणसी का शुभम कफ सिरप तस्करी का पुष्पा बना और वर्ष 2023 से ही उसने धड़ल्ले से तस्करी में अपने कदम बढ़ाए। फिर प्रभाव, पावर और पैसे की बदौलत हर बाधा को दूर किया। शुभम के सिंडिकेट से ही उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश तक तस्करी संभव हुआ।चंदन की लकड़ी तस्करी पर बनी फिल्म पुष्पा की तर्ज पर ही शुभम जायसवाल ने कफ सिरप की तस्करी कराई। दवा कंपनियों, ड्रग, नारकोटिक्स, पुलिस, पॉलिटिक्स सभी का मुंह बंद कराया। 2023 से शुभम जायसवाल ने धड़ल्ले से तस्करी में अपने कदम बढ़ाए। प्रभाव, पावर और पैसे की बदौलत हर बाधा को दूर किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश तक कफ सिरप तस्करी के सिंडिकेट की कमान संभाली। कफ सिरप माफिया भी शुभम के आगे झुक गए। तय हुआ कि कफ सिरप का धंधा करने वाले अपने माल शुभम के जरिये ही बांग्लादेश और नेपाल भेजेंगे। शुभम के तस्करी के माल को फर्नीचर, चावल की बोरी, चूना, बिजली पोल, चिप्स पैकेट समेत अन्य कई तरह से भेजता था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कफ सिरप को वह सोनभद्र के रास्ते बिहार से इंट्री कराने के बाद निकाला था। बीच में कई गाड़ियों का माल बदला जाता था और कई वाहन के नंबर प्लेट भी बदले जाते थे। जीएसटी और परिवहन अधिकारियों की आंख में धूल झोंककर गाड़ियां निकल जाती थीं।पैसे के प्रभाव के चलते पूर्व सांसद का करीबी भी शुभम से जुड़ गया- अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद यह तय हुआ कि पैसे के प्रभाव के चलते ही पूर्व सांसद का करीबी भी शुभम से जुड़ गया। सत्ता में मजबूत पकड़ रखने वाले भी शुभम से मीटिंग के लिए बेकरार हुए। पूर्वांचल के दो सफेदपोश शुभम के पार्टनर के रूप में काबिज हुए, इसका लाभ शुभम ने प्रशासनिक दबाव बनाने के रूप में किया। पांच लाख रुपये धंधे में लगाने पर 20 से 22 लाख रुपये का मुनाफा देने वाले शुभम ने कई रसूखदारों के रकम कफ सिरप में लगा दिए। वाले एक स्कूल व्यवसायी और सफेदपोश ने शुभम की मुलाकात सूबे एक मंत्री से भी कराई थी।बिहार और झारखंड के सफेदपोश भी एसटीएफ के रडार परदिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होकर पूर्वांचल तक कफ सिरप मामले में आरोपी सामने आए। वहीं, एसटीएफ ने बिहार और झारखंड के कुछ सफेदपोशों और ट्रांसपोर्टरों को भी चिह्नित किया है। अगली कार्रवाई एसटीएफ की अब बिहार में भी होगी। इस पूरे प्रकरण की निगरानी पीएमओ स्तर से भी हो रही है।

कछार में भेड़ियों की घात, घर से बच्ची को खींच ले जाने की कोशिश; आहट ने पैदा किया भय... सहमे हैं लोग

बहराइच के कछार में भेड़ियों की घात से लोग सहमे हैं। आदमखोर भेड़ियों ने घर से बच्ची को खींच ले जाने की कोशिश की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद एक बकरी को निशाना बनाया।यूपी के बहराइच में बौंडी क्षेत्र के सरयू के कछार में भेड़ियों की दहशत फिर शुरू हो गई है। संगवा और आसपास के गांवों में बृहस्पतिवार सुबह से दोपहर तक हुए दो हमलों से गांव के लोग दहशत में आ गए हैं। भेड़ियों ने एक बच्ची को घर से खींचकर ले जाने की कोशिश की। इसके बाद एक ग्रामीण की बकरी पर हमला करके उसे जख्मी कर दिया।महसी और कैसरगंज क्षेत्र में लगातार उत्पात के बाद भेड़ियों के हमले पर अंकुश लगा था, लेकिन बृहस्पतिवार सुबह भेड़ियों की सक्रियता ने ग्रामीणों में एक बार फिर डर पैदा कर दिया। सुबह लगभग 6 बजे तीन भेड़िये सिपहिया हुलास गांव में दाखिल हुए। उन्होंने एक बकरी को निशाना बनाया। उसे खींचकर ले जाने की कोशिश की। ग्रामीणों की आवाज सुनकर भेड़िये बकरी को छोड़कर खेतों की ओर भाग गए, लेकिन बकरी गंभीर रूप से घायल हो गई।इसके कुछ ही देर बाद पास के संगवा गांव में एक भेड़िया पहुंच गया। गांव निवासी शबनम (5) पुत्री बवाली सोकर उठी थी और घर से बाहर निकली। उसी दौरान झाड़ियों में छिपे भेड़िये ने उसे जबड़े में दबोच लिया। भेड़िया उसे खींचकर ले जाने लगा। चीख सुनकर लोग दौड़े और घेराबंदी की। लेकिन, कुछ दूरी पर ग्रामीण दो और भेड़ियों को देखकर सकते में आ गए। गन्ने के खेत में घुस गया भेड़िया- ग्रामीणों के शोरगुल के कारण भेड़िया लगभग 250 मीटर दूर बच्ची को छोड़कर गन्ने के खेत में घुस गया। जख्मी बच्ची को ग्रामीणों ने तुरंत संभाला और प्राथमिक उपचार के लिए फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची खतरे से बाहर है, लेकिन वह बेहद डरी हुई है। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि चार टीरों को गांव में लगाया गया है। आसपास के खेतों में ड्रोन की मदद से तेंदुआ और भेड़ियों की निगरानी शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और बच्चों को अकेला न छोड़ने की सलाह दी गई है। क्षेत्र में पिंजरे पहले से लगे हुए हैं। पहली बार एक साथ दिखे तीन भेड़िये- ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार तीन भेड़िये एक साथ दिखे हैं। ऐसे में सुबह और शाम घर से निकलना और भी डरावना हो गया है। उन्होंने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। वन विभाग का कहना है कि भेड़ियों को पकड़ने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन राजेंद्र शुक्ला ने संतोष वर्मा की बयान पर की घोर निंदा

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक/ डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के द्वारा किए अभद्र टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संतोष वर्मा जैसे लोग समाज के लिए घातक है और इनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी एक आईएएस अधिकारी द्वारा बहन एवं बेटियों को लेकर की गई टिप्पणी पर अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला के द्वारा कहा गया कि किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है। एक उच्च पद पर बैठे अधिकारी से ऐसे विचार न केवल सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाते हैं बल्कि प्रशासनिक गरिमा पर भी प्रश्न उठाते हैं। सरकार की स्पष्ट मान्यता है कि किसी भी जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी द्वारा मातृशक्ति के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी करना सामाजिक समरसता और संवैधानिक मर्यादा दोनों के विरुद्ध है। इस प्रकार की सोच भारतीय संस्कृति और हमारी परंपराओं का भी अपमान करती है। सभी वर्गों का सम्मान हमारी परंपरा का मूल है और किसी भी समुदाय विशेष को लक्षित कर की गई टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। इसी आधार पर सरकार द्वारा उनसे बयान पर स्पष्टीकरण मांगा गया है जो संतुष्टि प्रदायक न होने पर आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

बिहारपुर विद्यालय में किशोर सशक्तिकरण पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर / ओड़गी ब्लॉक अंतर्गत चांदनी-बिहारपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम का भव्य और महत्वपूर्ण आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें सामाजिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जीवन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें गुड टच-बैड टच, रूप नहीं गुण, आज मैंने क्या सीखा, पढ़ाई का कोना, घरेलू हिंसा, लिंग आधारित हिंसा, तथा बाल विवाह मुक्त सूरजपुर जैसे विषय शामिल रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि किशोर अवस्था जीवन का बेहद संवेदनशील दौर होता है, ऐसे में सही मार्गदर्शन और सुरक्षा संबंधी जानकारी बच्चों को हर प्रकार की समस्याओं से बचा सकती है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, और 112 आपातकालीन सेवा के उपयोग और महत्व समझाए गए। बच्चों को बताया गया कि किसी भी संकट, हिंसा, शोषण या आपात स्थिति में ये हेल्पलाइन उनकी सुरक्षा के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन यूनिसेफ एग्रिकॉन फाउंडेशन के ब्लॉक समन्वयक धनराज जगते द्वारा किया गया, जिन्होंने विभिन्न विषयों पर संवादात्मक सत्र लेकर विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही बच्चों को सामाजिक कुरीतियों और हिंसा से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार राठौड़ तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम अनुशासनपूर्वक और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षकगण ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों की मानसिक एवं सामाजिक मजबूती के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों व उपस्थितजन को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के दौरान विद्यार्थियों ने बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने तथा समाज में जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। इस जागरूकता कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया और किशोरों को स्वयं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति सजग होने का संदेश दिया।

एटा के गांव खेरिया में मिट्टी की ढाय गिरी...दब गईं पांच महिलाएं, एक की मौत; चार की तलाश जारी

एटा कोतवाली देहात क्षेत्र में गांव खेरिया खुर्द में मिट्टी की ढाय में दबने से एक महिला की मौत हो गई। चार के दबे होने की आशंका है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। एटा के कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव खेरिया खुर्द में शुक्रवार को मिट्टी की ढाय गिरने से एक महिला की मौत हो गई। चार अन्य महिलाओं के भी दबे होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए। राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। गांव में घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल है।

A Jewelry Story: 400-Year-Old 'Thewa Jewellery,' a Wonderful Blend of 24-Carat Gold and Glass

Rajasthan is known for its art and culture. Another famous heritage of this region is Thewa Jewellery. These jewels are as beautiful as they are intricately made. Their history dates back nearly 400 years, yet their popularity remains the same. Let's learn some interesting facts about this jewellery. Thewa Jewellery is the pride of Rajasthan. These jewelleries are stunning to look at and have a history dating back nearly 400 years. Rajasthan is not only a treasure trove of royal palaces, colourful markets, and folk music, but its traditional jewellery is also renowned worldwide. One such piece is Thewa Jewellery. The making of this type of jewellery (Thewa Jewellery) began several hundred years ago, but it remains a popular choice even today. Women make Thewa jewelry their first choice for many special occasions, such as weddings. This begs the question: why is this jewelry so special? How did it become an integral part of Rajasthani heritage (Thewa Jewelry History). Let's explore the answers to some of these questions related to Thewa jewelry in this series, Kahani Jewelry Ki. What is Thewa Jewelry? Thewa jewelry is a unique art form in which extremely thin sheets of 24-carat gold are set against colored glass. The intricate hand-carved gold and the sparkle of the glass combine to give it a luxurious and regal look. Each piece is completely handcrafted, making each design unique and special. The history of Thewa art: This art originated in Pratapgarh, Rajasthan, approximately 400 years ago. Shri Nathu Lal Soni Ji created it for the first time in 1707, and its fame quickly reached the royal courts. In 1765, Maharaja Sumant Singh patronized this art and bestowed the title of "Raj Soni" on Nathu Lal Soni. The Prince of Mewar was first gifted a Thewa artwork. Since then, the art has been passed down through the same family from generation to generation. Today, specimens are featured in numerous international museums, including the Metropolitan Museum (New York) and the Victoria & Albert Museum (London), a testament to its reputation. Thewa Jewelry Making Process: Making Thewa is no simple task. It requires months of hard work, patience, and artistry. The process goes something like this: Gold is transformed into a very thin sheet. This gold sheet is then intricately engraved by hand. Using a special technique, this design is set on colored glass. The glass and gold are joined using the traditional technique of "heat-fusion." The work of making Thewa jewelry is so intricate that it can take up to a month to complete a single piece. This is why Thewa Jewellery is called a timeless art. What are the designs of this jewellery like? The designs created in Thewa Jewellery are not only beautiful but also tell stories. Some of the most important themes include: Ramayana, Krishna-lila and other mythological scenes; Elephants, horses, deer, lions; Rajputana valor; Designs related to nature like peacocks, flowers and vines; Scenes from royal weddings; hence, this jewellery represents a confluence of art, history and emotion. Special Features of Thewa Jewellery: All the work done in Thewa Jewellery is done by hand, without any machine involvement. The blend of gold and glass makes it unique in the world. Each piece holds a story, like a miniature painting. In 2014, Thewa received the GI tag, further strengthening its authenticity. How to identify genuine Thewa Jewellery? Fake pieces are also available in the market these days, so it's important to identify them. The gold carvings should be entirely handmade. If the carving appears too uniform, machine-cut, or too perfect, it's not genuine Thewa. The glass behind the glass has deep colors like red, green, blue, and purple. Genuine Thewa has a clear and deep glass sheen. Most authentic pieces depict mythological or royal scenes. Thewa made by genuine artisans comes with a certification. The bond between the gold and glass should be extremely fine, with no visible gaps or adhesive marks. Thewa jewelry is not just a piece of jewelry, but a 400-year-old royal art, a symbol of Rajasthan, and a precious treasure of Indian handicrafts. It's admired worldwide for its unique colors, gold carvings, and intricate designs. If you prefer jewelry that's both beautiful and steeped in history and heritage, Thewa jewelry is the perfect choice.

Do you feel colder than others in winter? It's not the weather, but the real culprit: a lack of two nutrients.

Do you feel colder than others? If so, you may be suffering from a nutrient deficiency. These nutrients help maintain body temperature. Therefore, if they become deficient, it can lead to feeling colder. Some people feel colder than others. Nutritional deficiencies are a factor. Nutritional deficiencies can be addressed with the right diet. Feeling cold is common with the arrival of winter. But have you ever noticed that some people feel colder than others? If you also constantly feel cold or shivering in your hands and feet, it's possible that the cold isn't the culprit. In fact, sometimes feeling colder is also due to a lack of certain nutrients in the body. We're talking about iron deficiency and vitamin B12 deficiency symptoms. Deficiencies can lead to difficulty maintaining body temperature and feeling colder. Let's explore why this happens and what to do to prevent it. What's the connection between cold and nutrients? Maintaining body temperature primarily depends on blood circulation and red blood cells. Both iron and vitamin B12 play a crucial role in the formation of healthy red blood cells. Iron is crucial for the production of hemoglobin, which carries oxygen to all parts of the body. Iron deficiency prevents the body from producing the right amount of hemoglobin, leading to anemia. Anemia prevents adequate oxygen from reaching all parts of the body. This prevents the body from generating heat, and the person often complains of feeling cold, especially in the hands and feet. Vitamin B12 - Vitamin B12 is also responsible for the formation of red blood cells and the proper functioning of the nervous system. B12 deficiency can also cause a type of anemia called megaloblastic anemia. In this condition, the red blood cells produced in the body become large and weak, which prevents them from properly transporting oxygen to the body. This affects the body's metabolism and the body is unable to generate enough heat. Other symptoms of these deficiencies include fatigue and weakness, pale skin, shortness of breath or dizziness, rapid heartbeat, headaches, and hair loss. What to do for prevention? Eat an iron-rich diet. Iron comes in two forms: heme iron and non-heme iron. Heme iron is easily absorbed by the body. To prevent this, include eggs, lean meat, chicken, and fish in your diet. Sources of non-heme iron include green leafy vegetables like spinach, broccoli, beets, lentils, kidney beans, soybeans, nuts (raisins, dates, figs), and seeds (pumpkin seeds, sesame seeds). To increase iron absorption, include foods rich in vitamin C in your diet, such as lemon juice or an orange with lentils or spinach. Avoid tea or coffee immediately after meals, as these interfere with iron absorption. Include sources of vitamin B12. Vitamin B12 is primarily found in animal products. Eat plenty of dairy products like eggs, milk, yogurt, cheese, and buttermilk. Meat, fish, and chicken are also excellent sources of B12. If you are a vegetarian, you can take supplements after consulting your doctor. Get regular checkups. If you experience persistent coldness and fatigue, it's important to consult a doctor. Iron and vitamin B12 levels can be checked with a simple blood test (CBC). You can also take supplements if your doctor recommends them.

5 things you should never say to a friend going through a divorce. Despite good intentions, they can inadvertently increase their pain.

Divorce is an emotionally challenging decision. Therefore, if a friend or relative is going through it, it's important to support them properly. However, sometimes, despite our best intentions, we inadvertently increase their pain. Let's explore what words to avoid saying to someone going through a divorce. Divorce is emotionally demanding, and even small things can cause significant emotional scars. Discussing divorce with someone going through it should be approached with understanding and thoughtfulness. Divorce is one of life's most difficult and emotionally turbulent experiences. When a close friend or relative is going through this process, we try to offer support and comfort. But sometimes, despite our best intentions, our words can inadvertently increase the pain. Therefore, there are certain things we should avoid when discussing divorce. Let's explore what not to say to someone who is getting a divorce, and what to say. "What happened?" is the most common question. Upon hearing news of a divorce, our curiosity overwhelms us, and we tend to cross the other person's personal boundaries. The reasons behind the divorce are often personal, which can be difficult for the person to share. Instead, it's better to say, "I'm here for you if you want to talk." This offers support, not pressure. "You two looked so good together"—this statement can deny the pain of the present by pointing to the past. It can make the person feel misunderstood. Remember, outward appearances often don't match the underlying truth. Therefore, this comment should be avoided. "You guys were so happy"—reviving old happy memories can be hurtful. Saying this makes the person dwell on the past, further deepening their grief. Therefore, avoid saying things like, "What about the kids?" This question can be the most hurtful. It's impossible for any parent not to be thinking about their children's well-being. Such a question can burden them with guilt. Reassure them that they are good parents and are trying to meet their children's needs even during these challenging times. Saying, "I never liked them," insults a person's past choices and emotions. It causes them to question every choice. This is not healthy.

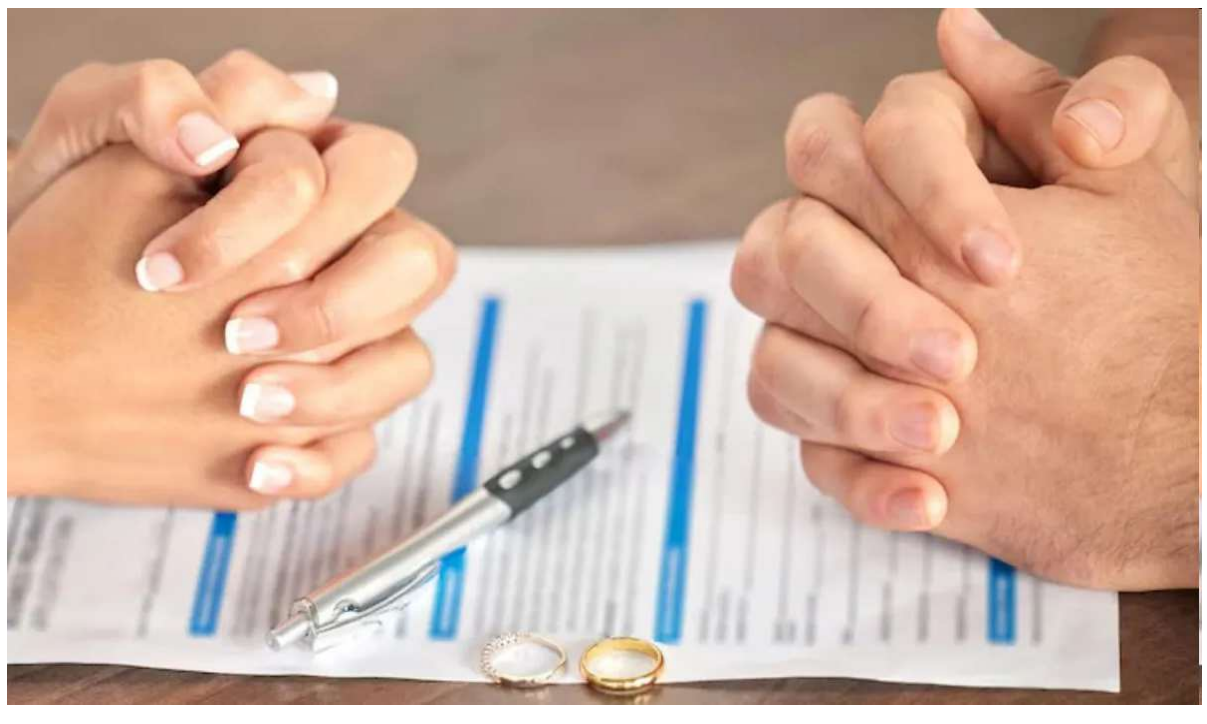

Aamir Khan wasn't the first choice for Dil Chahta Hai; one decision could have ruined Saif's career

The film "Dil Chahta Hai" was released in 2001. The film is still remembered for its story of friendship. Director Farhan Akhtar revealed that Aamir Khan and Saif Ali Khan weren't his

first choice. Many actors turned down the film because no one wanted to do a multi-hero film at the time. Some films become memorable, and the story behind their creation is even more fascinating. Many stories continue to surface about the 2001 film "Dil Chahta Hai." The friendship between Aamir Khan, Saif Ali Khan, and Akshaye Khanna was highly appreciated. However, few people know that Aamir and Saif weren't the first choice for the film. Many young people were able to relate to the film because the stories of Akash, Siddharth, and Sameer were so relatable. Many of us have gone through what these characters went through. But have you ever wondered what 'Dil Chahta Hai' would have been like if someone else had been cast in place of Saif Ali Khan and Aamir Khan? Whom did Farhan want to cast? The film's director, Farhan Akhtar, has now spoken about this and revealed what initially came to his mind regarding this film. Speaking about this, Saif said in an interview, "At that time, I had a dream cast in mind, the one I wanted, but it didn't materialize. I wanted to make this film with Akshaye Khanna, Hrithik Roshan, and Abhishek Bachchan. Hrithik and Abhishek hadn't yet entered films at the time, but I knew they were working on their first films. So I thought it would be amazing to cast these three together." However, both actors turned down the project. I never imagined Aamir would say yes. I approached almost everyone, but no one wanted to do a multi-hero film. It later became a super hit.

Salman Khan is providing free food, thanks to Bhaijaan's elaborate arrangements on the set of Battle of Galwan.

Superstar Salman Khan is currently busy filming his upcoming film, Battle of Galwan. Reports suggest that Bhaijaan has made elaborate arrangements on the set, ensuring everyone

receives free food. Salman Khan is busy filming Battle of Galwan. Thanks to Bhaijaan, everyone on set is getting free food. Stories of Salman Khan's generosity are well known. Salman Khan is a Hindi cinema actor whose stardom is as big as his heart. Stories of Salman's generosity have been heard on numerous occasions. The latest example of this was seen on the set of his upcoming film, Battle of Galwan, where, thanks to Bhaijaan, the entire crew and others are receiving free food. Let's find out what the whole matter is. Salman Khan's generosity is well known. He has brought his Being Haangry vans to the set of the film "Battle of Galwan." The superstar has converted two vans into mobile kitchens, serving fresh food to the entire unit free of charge. Salman initiated this practice earlier this year during the filming of "Sikander." It's said that the actor was uncomfortable with the way different people on set were served different quality food. Stars typically receive one type of food, technicians and department heads receive another, and the unit staff receive something else. Salman wanted everyone to eat the same food he eats, and now these mobile kitchens deliver just that. The remodeled Being Haangry vans aren't just regular food trucks. Each van has full kitchen facilities and cold storage. Two professional cooks operate the kitchens on each shift, preparing fresh food throughout the day. In addition to the food provided by the production team, is given so that everyone gets more options. The menu includes everyday items like dal, rice, methi ki sabji, aloo matar. For non-veg lovers, there is fish curry and rice. Salman's favourite dish, mutton biryani is also made regularly. The young crew members can order avocado sandwich. Half the shooting of Battle of Galwan is complete - Almost half of the shooting of the war drama Battle of Galwan, being directed by director Apoorva Lakhia, is complete. This movie can be released in theatres next year.

Ranbir Kapoor is adamant about the release of "Love And War," a situation created by "Ramayana."

Ranbir Kapoor will be seen playing a key role in director Sanjay Leela Bhansali's most anticipated film, "Love And War." Now, news is emerging that the actor is stuck on the film's release

date. "Love And War" is Ranbir Kapoor's next film. Two of his films will be released next year. "Love And War" is directed by Sanjay Leela Bhansali. If we consider Hindi cinema's powerful actors, Ranbir Kapoor's name will surely be included. Currently, Ranbir is busy shooting for his upcoming film "Love And War," directed by veteran filmmaker Sanjay Leela Bhansali. Now, news is emerging that a dispute has arisen between the makers and the actor regarding the release of "Love And War." A dispute arises regarding the release of "Love And War." If two major films are released close together, there's a high chance they will impact the box office. Therefore, a gap between the two major films is essential. Actor Ranbir Kapoor is currently engaged in this effort. Ranbir doesn't want his two major films, Love and War and Ramayanam, to release close together next year. Sources indicate that Ranbir has advised Love and War director Sanjay Leela Bhansali and his team to complete shooting by March next year so that the film can be released in June. He wants at least a four-month gap between the film and Ramayanam. Since Ramayanam will release on Diwali next year and that cannot be changed, Ranbir has requested Bhansali to bring Love and War to the big screen by June next year. Bhansali had wanted to release the film in August, coinciding with Independence Day. Ranbir is firm on his decision to release Love and War in June. Ramayanam producer Namit Malhotra also doesn't want Love and War to impact Ramayanam, as it is a larger film in terms of budget. Both films need promotion. If both films are released close to each other, their box office performance could be affected. Ranbir Kapoor's comeback is expected in 2026 - The coming year is being seen as Ranbir Kapoor's comeback year. In fact, Ranbir Kapoor last appeared on the big screen in 2023 with the film Animal. In this context, after nearly three years, he will re-enter cinemas with Love and War and director Nitesh Tiwari's mythological film Ramayanam.